राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,20 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–323 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्जेंटीना की जीत पर भारत में जश्न, सड़कों पर उतरे फैंस, पीएम मोदी ने दी खास बधाई

नई दिल्ली। फ्रांस और अर्जेंटीना के बीच खेले गए फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में अर्जेंटीना ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की। अर्जेंटीना को 36 साल बाद फीफा वर्ल्ड कप में जीत मिली है। इसी के साथ लियोनेल मेसी का अपनी टीम को विश्व कप दिलाने का सपना भी पूरा हो गया। इस बीच अर्जेंटीना की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें बधाई दी है।

पीएम मोदी ने किया ये ट्वीट

पीएम मोदी ने अर्जेंटीना को जीत की बधाई देते हुए कहा, अर्जेंटीना और मेसी के लाखों भारतीय प्रशंसक इस शानदार जीत पर खुशी मना रहे हैं। आप सब को बधाई। पीएम ने इसी के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन को टैग करते हुए कहा कि FIFAWorldCup में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए फ्रांस को बधाई।

सड़कों पर उतरे भारतीय फैंस

भारत में भी मेसी के करोड़ों फैंस है जो अर्जेंटीना की जीत से आज काफी खुश हैं। इसी के चलते अर्जेंटीना की जीत के साथ ही मेसी के फैंस सड़कों पर उतर आए हैं और खूब जश्न मना रहे हैं।

कोलकाता और हरियाणा के गुरुग्राम में भी जश्न

कोलकाता के श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब में फ्रांस के खिलाफ अर्जेंटीना की जीत का जश्न खूब शोर शराबे से मनाया गया। अर्जेंटीना के प्रशंसकों ने कहा कि वे अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पा रहे हैं, उन्होंने कहा कि हम सभी इसे लंबे समय से देखने के लिए इंतजार कर रहे थे, क्योंकि मेसी विश्व कप जीतने के हकदार थे। वहीं गुरुग्राम में भी लोगों ने जीत के बाद पार्टी की।

राहुल गांधी बोले- मेसी और एम्बाप्पे दोनों सच्चे चैंपियन

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी अर्जेंटीना को फीफा विश्व कप 2022 के फाइनल में रोमांचक जीत के लिए बधाई दी। राहुल ने ट्वीट करते हुए कहा कि कितना सुंदर खेल था। रोमांचक जीत के लिए अर्जेंटीना को बधाई। फ्रांस भी अच्छा खेला। मेसी और एम्बाप्पे दोनों सच्चे चैंपियन की तरह खेले! राहुल ने आगे कहा कि ये फाइनल एक बार फिर दिखाता है कि बिना सीमाओं के खेल कैसे एकजुट होते हैं। वहीं, खरगे ने भी अर्जेंटीना को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

पीएम मोदी ने अर्जेंटीना को जीत की बधाई दी है। पीएम ने कहा कि अर्जेंटीना और मेसी के लाखों भारतीय प्रशंसक इस शानदार जीत पर खुशी मना रहे हैं। आप सब को बहुत बधाई।

मेसी ने एक और इतिहास रचा

अर्जेंटीना के कप्तान लियोन मेसी ने फाइनल में जीत के साथ कई इतिहास रच दिए। उसमें सबसे प्रमुख है दो बार गोल्डन बाल जीतना। विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए दिया जाने वाला गोल्डन बाल दो बार जीतने वाले मेसी एकमात्र खिलाड़ी हैं। 2014 में जर्मनी से हार के बावजूद लियोन मेसी को उस विश्व कप में गोल्डन बाल दिया गया था। इस बार दोबारा अर्जेंटीना की जीत के बाद उन्हें यह अवार्ड दिया गया।

बाबा रामदेव की पतंजलि योगपीठ की ऑनलाइन मीटिंग में चला अश्लील वीडियो, और फिर...

बहादराबाद। बाबा रामदेव की पतंजलि योगपीठ की एक ऐप के जरिये ऑनलाइन चल रही बैठक के दौरान एक युवक ने अश्लील वीडियो चला दी। इस दौरान कई महिलाएं भी बैठक से जुड़ी थीं। अचानक अश्लील वीडियो चलने से माहौल खराब हो गया। पतंजलि अनुसंधान संस्थान के कर्मचारी की शिकायत पर बहादराबाद पुलिस ने एक युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रविवार को देश-विदेश से पतंजलि योगपीठ में जुड़े करीब डेढ़ सौ लोगों की ऑनलाइन मीटिंग चल रही थी। इस दौरान एक युवक ने ऐप पर अश्लील वीडियो चला दी। थाना प्रभारी नितेश शर्मा ने बताया कि कमल भदौरिया ने पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत में कहा गया कि पतंजलि ऑडिटोरियम में उच्च स्तर पर पीआरआई के वैज्ञानिकों का कार्यक्रम चल रहा था और महत्वपूर्ण बातों पर विचार किया जा रहा था। इस दौरान लगभग साढ़े चार बजे अचानक अश्लील वीडियो डाल दी गई। एसओ ने बताया कि आकाश निवासी ब्रिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बीकॉम कॉलेज कैंपस आलंदी रोड येरवडा पुणे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जॉर्डन को जल अलवणीकरण परियोजना के वित्तपोषण के लिए 20 करोड़ यूरो का ऋण स्वीकृत

अम्मान। जॉर्डन ने यूरोपीय निवेश बैंक के साथ राष्ट्रीय जल वाहक परियोजना के वित्तपोषण के लिए 20 करोड़ यूरो के आसान ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए। जॉर्डन के योजना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के रविवार को एक बयान के अनुसार परियोजना जिसे अकाबा-अम्मान जल विलवणीकरण और परिवहन परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, लाल सागर के पानी को अलवणीकरण करने और अम्मान और जॉर्डन के अन्य शहरों में ताजे पानी की आपूर्ति करने पर जोर देती है।

भारत जोड़ो यात्रा सोमवार को दौसा जिले के बाढ़ नागवास से हुई शुरू

दौसा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली जा रही कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में दौसा जिले के बांदीकुई क्षेत्र के बाढ़ नागवास से आज सुबह करीब आठ बजे शुरू हुई ।

यात्रा के दौसा जिले में सोमवार को अंतिम दिन भी लोगों का काफी उत्साह नजर आया।

यात्रा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल, पवन खेड़ा, राज्य के मंत्री रमेश मीणा, सरकारी उपमुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी, विधायक कृष्णा पूनियां सहित अन्य कई पार्टी नेता श्री राहुल गांधी के साथ चले।

भारत जोड़ो यात्रा का आज 103वां दिन है राजस्थान इसका 15वां दिन है और आज उसने करीब दस बजे अलवर जिले में प्रवेश कर लिया जहां सुरेर गांव में दोपहर का विश्राम है।

भाजपा नेता हंसराज हंस बोले- बिलावल भुट्टो पाकिस्तान का पप्पू, राहुल गांधी पर भी कसा तंज

ग्वालियर। भाजपा नेता और सूफी गायक हंसराज हंस ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को पाक का पप्पू बोला है। तानसेन समारोह-2022 की पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम में सोमवार को प्रस्तुति देने आए दिल्ली उत्तर पश्चिम से भाजपा सांसद व सूफी गायक हंसराज हंस ने कहा कि बिलावल की बातें पप्पू जैसी है और इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।

हम पप्पुओं को गंभीरता से नहीं लेते- हंसराज

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की गई टिप्पणी पर हंसराज हंस ने कहा कि वह वहां का पप्पू है। हम पप्पुओं को गंभीरता से नहीं लेते हैं। जिनकी अपनी इज्जत होती है, वह सोच समझकर ही बोलते हैं। सूफी गायक ने कहा कि राहुल गांधी मेरी नजर में अच्छे हैं, पर उन्हें राजनीति नहीं आती है। पठान फिल्म के बेशर्म रंग गाने पर चल रहे विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि भगवा रंग संतों पर ही अच्छा लगता है। फिल्म बनाने वालों को इस ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने इस विवाद के लिए सेंसर बोर्ड को भी दोषी बताया।

● तानसेन समारोह-2022 की पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम में सोमवार को प्रस्तुति देने आए दिल्ली उत्तर पश्चिम से भाजपा सांसद व सूफी गायक हंसराज हंस ने कहा कि बिलावल की बातें पप्पू जैसी है और इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।

पीएम मोदी की तारीफ की -हंसराज हंस ने बिलावल पर तंज कसने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि मोदी जैसा बनना असंभव है। भाजपा सांसद ने कहा कि पहले भी कई पीएम हुए हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं लेकिन वे विदेश में दूसरे राष्ट्राध्यक्षों के साथ कोने में खड़े होते थे। तब ऐसा लगता था मानो भारत गरीब है और कुछ मांग रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में कोहरे ने बढ़ाई मुसीबत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में ठिठुरन बढ़ने के साथ कोहरा पड़ने से लोगों की दिक्कत बढ़ गई है। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह घना कोहरा रहा। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक दिल्ली, हरियाणा समेत मैदानी इलाकों के कुछ हिस्सों में शीतलहर चलेगी। हरियाणा, दिल्ली के अलावा पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी तापमान गिरा है। राजस्थान में कई जिलों में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंच गया है। आने वाले दिनों में उत्तर भारत के कई इलाकों में शीतलहर चलने का भी अनुमान है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के लिए अभी इंतजार करना होगा। पहाड़ों में ठंड और ठिठुरन में इजाफा होगा लेकिन बर्फबारी की संभावना कम ही है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मौसम

साफ रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग ने तमिलनाडु कुछ हिस्सों में आज बारिश की संभावना जताई है। विभाग के मुताबिक अगले 12 घंटे में अंडमान निकोबार द्वीप समूह, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और ओडिशा सहित महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में गरज के साथ बारिश हो सकती है।

नासिक में मेट्रो परियोजना जल्द होगी शुरू–नितिन गडकरी

मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि नासिक में जल्द ही मेट्रो परियोजना शुरू की जाएगी। मेट्रो सेवा दो चरणों में पूरी होगी। इसके लिए एक हजार छह सौ करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी दी गई है।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी यहां एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नासिक मेट्रो में चार डबल डेकर लेन होंगी। इससे नासिक रोड से द्वारका तक ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अच्छी सडक़ें शहर के विकास को गति

देंगी और निर्यात-आयात में नासिक जिला राज्य का नंबर वन जिला बनेगा।

नितिन गडकरी ने कहा कि जब मैं महाराष्ट्र में मंत्री था, तब मैंने मुंबई-नासिक राजमार्ग बनाने का फैसला किया था। मुंबई से नासिक तक की पूरी सड़क सिक्स लेन की होगी। वडापे एक महत्वपूर्ण जंक्शन होगा। गडकरी ने बताया कि मुंबई से दिल्ली तक एक लाख करोड़ रुपये से हाईवे का निर्माण पूरा हो चुका है, सात से आठ घंटे में दिल्ली पहुंचा जा सकता है। गडकरी ने कहा कि सूरत हाईवे से भी परिवहन के क्षेत्र में बड़ी क्रांति होने वाली है। इस परियोजना की लागत 80 हजार करोड़ रुपये है। इस परियोजना के तहत नासिक जिले में 10 हजार करोड़ रुपये का काम होगा। गडकरी ने यह भी कहा कि आप दस घंटे में चेन्नई पहुंच सकते हैं। इस का हाईवे का महाराष्ट्र में 422 किमी रूट होगा, जिसमें 182 किमी का रूट नासिक जिले से होकर गुजरेगा। इसके लिए 4200 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। इस मौके पर नासिक जिले के किसानों को काफी पैसा मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजित होंगे। पुणे और मुंबई में ट्रैफिक कम होगा। गडकरी ने यह भी कहा कि इस परियोजना के पूरा होने पर नासिक से उत्तर भारत के लोग सीधे दक्षिण जा सकते हैं।

तवांग मठ के भिक्षुओं ने किया भारत का समर्थन, बोले- 'ये 1962 नहीं 2022 हैं'

तवांग। तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच यांग्त्से में झड़प के बाद बाद प्रसिद्ध तवांग मठ के भिक्षुओं की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। तवांग मठ के भिक्षुओं ने चीन चेतावनी देते हुए कहा है कि, ये 1962 नहीं, ये 2022 है और ये पीएम नरेंद्र मोदी सरकार है।

भारतीय सेना का समर्थन करते हैं-तवांग मठ के एक भिक्षु लामा येशी खावो ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी को नहीं बख्शेंगे। हम मोदी सरकार और भारतीय सेना का समर्थन करते हैं। 17वीं शताब्दी के मठ में उपस्थित सभी लोगों की चिंताओं को व्यक्त करते हुए भिक्षु ने कहा कि, 1962 में एशियाई दिग्गजों के बीच संघर्ष भी हमने देखा है। लामा येशी खावो ने ये भी कहा कि, चीनी सरकार हमेशा अन्य देशों के क्षेत्रों पर नजरें गड़ाए रहती है ये पूरी तरह से गलत है।

चीनी सरकार गलत है

लामा येशी खावो ने कहा कि, वो भारतीय भूमि पर भी नजर रखते हैं। चीनी सरकार गलत है। अगर वो दुनिया में शांति चाहते हैं, तो उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। अगर वो वास्तव में शांति चाहते हैं, तो उन्हें किसी को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें वर्तमान भारत सरकार और भारतीय सेना पर पूरा भरोसा है, जो तवांग को सुरक्षित रखेगी।

1962 में किया भारत का समर्थन-तवांग मठ के भिक्षु येशी खावो ने कहा कि, 1962 में हुए युद्ध के दौरान, इस मठ के भिक्षुओं ने भारतीय सेना की मदद की थी। चीनी सेना भी मठ में घुस गई थी, लेकिन उन्होंने किसी को चोट नहीं पहुंचाई। पहले तवांग तिब्बत का हिस्सा था और चीनी सरकार ने तिब्बत की जमीन पर कब्जा कर लिया था।÷ चीनी सरकार का दावा है कि तवांग भी तिब्बत का हिस्सा है, लेकिन तवांग भारत का अभिन्न अंग है। हमें चिंता नहीं है, क्योंकि भारतीय सेना सीमा पर है। हम यहां शांति से रह रहे हैं।

1681 में बनाया गया था मठ

भिक्षु ने आगे कहा कि तवांग मठ 1681 में बनाया गया था जो एशिया का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे पुराना मठ है। इसे 5वें दलाई लामा की मंजूरी के बाद बनाया गया था। छठे दलाई लामा का जन्म तवांग में हुआ था। हमें 5वें और छठे दलाई लामा का आशीर्वाद प्राप्त हैं। वर्तमान में तवांग मठ में लगभग 500 भिक्षु हैं। मठ के परिसर और गुरुकुल में 89 छोटे घर हैं। इसके अलावा यहां बौद्ध धर्म दर्शन के साथ-साथ सामान्य शिक्षा भी प्रदान की जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तालिबानः मियाँ की जूतियाँ मियाँ के सिर

अब जबकि पाक-सरकार 2700 किमी की इस डूरेंड रेखा पर खंभे गाड़ने की कोशिश कर रही है तालिबान सरकार उसका विरोध कर रही है। हजारों अफगान और पाकिस्तानी नागरिक पासपोर्ट और वीज़ा के बिना एक-दूसरे के देश में रोज आते-जाते हैं। दोनों देशों के बीच तनाव इतना बढ़ गया है कि उप-विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार को काबुल जाकर बात करनी पड़ी।

(लेखक डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

काबुल में पिछले साल तालिबान की सरकार क्या कायम हुई पाकिस्तान समझने लगा कि उसकी पौ-बारह हो गई क्योंकि पिछले दो-ढाई दशक से तालिबान और उसके पहले अफगान मुजाहिदीन को शै देनेवाला पाकिस्तान ही था। तालिबान ने पहले अपने हिमायती अमेरिका को सबक सिखाया और अब वह पाकिस्तान के छक्के छुड़ा रहा है। आए दिन तालिबानी और पाकिस्तानी सीमा-रक्षकों के बीच गोलीबारी की खबरें आती रहती हैं। अफगानिस्तान और ब्रिटिश भारत के बीच जब सर मोर्टिमोर डूंरेड ने 1893 में डूंरेड-रेखा खींची थी तभी से एक के बाद एक अफगान सरकारों ने उसे मानने से मना कर दिया था। अब जबकि पाक-सरकार 2700 किमी की इस डूंरेड रेखा पर खंभे गाड़ने की कोशिश कर रही है तालिबान सरकार उसका विरोध कर रही है। हजारों अफगान और पाकिस्तानी नागरिक पासपोर्ट और वीज़ा के बिना एक-दूसरे के देश में रोज आते-जाते हैं। दोनों देशों के बीच तनाव इतना बढ़ गया है कि उप-विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार को काबुल जाकर बात करनी पड़ी। काबुल में पाक दूतावास के एक वरिष्ठ राजनयिक की हत्या का भी असफल प्रयास हुआ। इसके पहले अल-क़ायदा के नेता अल-जवाहिरी की काबुल में अमेरिका ने जो हत्या की थी उसके लिए भी पाकिस्तान की सांठ-गांठ बताई गई थी। यह अभियान प्रकट तौर पर काबुल के तालिबान नहीं चला रहे हैं। इसे चला रहे हैं- 'तहरीक़े-तालिबान-ए-पाकिस्तान' के लोग। वे हैं तो पाकिस्तानी लेकिन उन्होंने आजकल काबुल को अपना ठिकाना बना लिया है। वे इमरान और शाहबाज शरीफ सरकारों से मांग करते रहे हैं कि पाकिस्तान का शासन इस्लामी उसूलों पर चले। काबुल के तालिबान दिखाने के लिए इस्लामाबाद और तहरीक के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं लेकिन वे पूरी तरह से 'तहरीक' के साथ हैं। उन्होंने दोनों के बीच 5-6 माह का युद्ध-विराम भी करवा दिया था लेकिन तालिबान की ही नहीं औसत पठानों की भी मान्यता है कि पाकिस्तान के पंजाबी हुक्मरान उन्हें अपना गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं। मुझे पेशावर और काबुल में दोनों पक्षों से खुलकर बात करने के मौके कई बार मिले हैं। मैंने कुछ पाकिस्तानी दोस्तों को यह कहते हुए भी सुना है कि देखिए अफगान कितने नमकहराम हैं? रूसी कब्जे के वक्त लाखों अफगानों को हमने शरण दी लेकिन वे अब भी पेशावर पर कब्जा करना चाहते हैं। उधर अफगान कहते हैं कि ये पंजाबी लोग हमारी ज़मीन पर लगभग डेढ़-सौ साल से कब्जा किए हुए हैं और हमारे साथ चोरी और सीनाजोरी करते हैं। पाकिस्तान सरकार को अब पता चल रहा है कि उसने अफगान आतंकवाद को बढ़ावा देकर अपने लिए गहरी खाई खोद ली है। अब वे ही अफगान पाकिस्तान के सिरदर्द बन गए हैं। मियाँ की जूतियाँ मियाँ के सिर पड़ रही हैं।

सूक्ति

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
- तुलसीदास

माया मरी न मन मरा मर मर गये शरीर। आशा तृष्ना ना मरी कह गये दास कबीर?
- कबीर

लॉफिंग ज़ोन

पत्नी: आप बहुत देर से घर के बाहर खड़े हो , पर अंदर क्यों नहीं आ रहे थे ?

पति: और तुम इतनी रात तक जाग कर क्या कर रही हो।

पत्नी: मैं पांच घंटे से आपके इंतजार में जाग रही थी।

पति: और मैं पांच घंटे से इसी इंतजार में बाहर खड़ा था कि तुम सो जाओ तो मैं अंदर आऊं।

□ □ □

ग्राहक, 'यह सुप तो बहुत ही पतला है?'

बैरा, 'मैनेजर साहब की इच्छा है की प्लेट पर बने बेल बूटे भी आप देख सकें।'

□ □ □

सुमित्रा (बेटे गौरव से), 'बेटा आज तुम सोते-सोते इतनी जोर से गाना क्यों गा रहे थे?'

गौरव, 'मम्मी। सपने में नहाते हुए मुझे जोर से ठंड लग रही थी। गाना नहीं गाता तो और क्या करता।'

□ □ □

लड़का - तुम गाना बहुत अच्छा गाती हो।

लडकी - नहीं , में तो सिर्फ बाथरूम सिंगर हूँ।

लड़का - तो बुलाओ ना कभी , महफिल जमाते हैं।

बेरोजगारी बढ़ने से गंभीर होती चुनौतियां

गुरबचन जगत

मुझे भारत में नियुक्त इटली के राजदूत के लिखे विचारों को पढ़कर कुछ अजीब तो लगा पर हैरानी नहीं हुई, जब वे कहते हैं कि वहां काम करने गए पंजाबियों को वर्क-परमिट इटली के व्यापार जगत के अनुरोध पर जारी हुए हैं, जो इन्हें एक मेहनती समुदाय की नज़र से देखते हैं। राजदूत ने आगे कहा कि यूरोपियन यूनियन के मुल्कों में अप्रवासी भारतीयों की सबसे अधिक गिनती इटली में है और इनमें 80 फीसदी पंजाबी हैं, जिनकी संख्या और बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय और पंजाबी कामगारों का योगदान इटली की आर्थिकी में अभिन्न है, खासकर कृषि और डेयरी क्षेत्र में। इटली में अप्रवासियों की संख्या में दस गुणा से अधिक वृद्धि हुई है, जो कि वर्ष 1991 में महज 20 हजार से बढ़कर इस साल 2.1 लाख हो चुकी है। भारतीयों का पलायन इटली के अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएसए इत्यादि अन्य देशों की ओर भी हो रहा है। कनाडा के वीसा चाहवानों की लंबी पंक्ति दूतावास के बाहर लंबी होती जा रही है और यह रोजाना का मंजर है। यही हाल अन्य देशों में जाने की हसरत का है। कनाडा ने चंडीगढ़ में अपने उप-दूतावास का विस्तार इसलिए किया है ताकि वीसा संबंधी काम जल्द निपट सकें। यहां पंजाब सरकार से सवाल करना प्रासंगिक होगा कि राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बनाने के मामले में उसने क्या किया है। अब तक तो इस दिशा में नए विचारों को अंकुरित हो जाना चाहिए था। आम आदमी पार्टी सत्ता में न केवल विदेशों की ओर हो रहा पलायन रोकने का वादा करके आई थी बल्कि वापसी करवाने का भी लेकिन हुआ क्या? विदेशों को लगी दौड़ न केवल देश के लिए बहुत बड़ी आर्थिक हानि है बल्कि हमारी युवा शक्ति और भविष्य के लिए भी, क्योंकि उनको यहां पर कोई आस नज़र नहीं आ रही है। रोजगार सीमित हैं। पहले विदेशों का रुख अधिकांशतः किसानों के बच्चे करते थे, जो सिकुड़ते खेतों और कमाई के मद्देनज़र पलायन करने लगे। आज कारोबारी, व्यापारी और यहां तक कि नौकरीपेशा तबके के बच्चे भी पश्चिमी देशों की ओर जाने लगे हैं। इस लगातार बढ़ते घाटे को थामने का उपाय रोजगार के अच्छे अवसर बनाना है। यह काम या तो सरकारी नौकरियों के जरिए या फिर निजी क्षेत्र में काम-धंधे पैदा करके होगा। इनमें भी ज्यादा संभावना निजी क्षेत्र में है। इसलिए सवाल जो होना चाहिए वह यह है कि इसके लिए किया क्या जा रहा है? सूक्ष्म, लघु, छोटे, मध्यम एवं विशाल उद्योग-कारोबार को पनपने के लिए मुफीद माहौल कैसे बनाया जा रहा है? यहां बात केवल सरकार से मिलने वाले फंड की नहीं है बल्कि सरकार की भूमिका बतौर माहौल प्रदाता अधिक है। यह कितना निवेश का स्वागत और उत्साहित करने वाला है? विदेशी सरकारों द्वारा निवेशकों के लिए पलक-पांवड़े बिछाने की असंख्य कहानियां हम सुनते हैं। यह इसलिए कि क्योंकि वे जानते हैं कि पीछ-पीछे रोजगार के अवसर खुद-ब-खुद पैदा होंगे और उनके समाज में खुशहाली आएगी। यहां हम मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के लिए तो सारी गुणा-भाग करने में बहुत निपुण हैं पर क्या किसी ने रोजगार और जिलावार या क्षेत्रवार निवेश लाने की जहमत की है? या फिर इसकी अहमियत ही नहीं है? पिछली सरकारें अप्रवासी भारतीयों का राज्य एवं केंद्र स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया करती थीं जिसका नतीजा नगण्य या शून्य रहता था। 'केवल जुबानी-कलामी बातें और ठोस नीति कुछ नहीं' वाले ये आयोजन केवल मीडिया कवरेज पाने तक सीमित रहे। आज, पंजाब में नया निवेश तो क्या आना, उलटे अप्रवासी पंजाबी यहां की अपनी सम्पत्तियां बेचने में लगे हैं। बेशक यह समस्या मौजूदा सरकार की बनाई नहीं है, लेकिन ये लोग रोजगार और विकास का वादा करके ही इतना विशाल बहुमत हासिल कर पाए थे। जब इटैलियन राजदूत को पंजाब के साथ खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी फार्मिंग, कृषि मशीनरी और कोल्ड चेन पैकिंग के क्षेत्र में संयुक्त उपक्रम करने में असीम संभावनाएं दिखाई दे रही हैं तो क्या पंजाब सरकार में किसी को यह सुनाई दिया? क्या इस पर काम करने के लिए कोई योजना बनाई है? सूचना के अनुसार, भारत में तकरीबन 600 इटैलियन कंपनियां हैं, अधिकांशतः महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, दिल्ली और कर्नाटक में। चंडीगढ़ हवाई अड्डा आज भी एक सफल गाथा न बन पाया (अबतक तो नाम बदलना ही शोहरत पाने को मुख्य दावा है)। अगस्त माह तक अनेक अतंर्राष्ट्रीय उड़ानें यहां से शुरू होने की जो बात कही गई थी उसका क्या हुआ? पिछले दशक में ऐसे कई अगस्त आये और चले गए, बहुत पहले इस हवाई अड्डे के अंतर्राष्ट्रीय होने का ऐलान किया गया लेकिन फिर भी देश में सबसे अधिक अप्रवासी भारतीयों वाले एक समुदाय के तौर पर पंजाबियों को विदेशों की उड़ान पकड़ने के लिए दिल्ली जाने की जहमत उठानी पड़ती है। हम किस मुंह से व्यापार और काम-धंधे में निवेश की चाहत रखे हुए हैं जब संभावित निवेशकों को बतायें कि न केवल हमारा अंचल समुद्र तट विहीन है बल्कि विदेशी हवाई उड़ान संपर्क नगण्य है? इसकी तुलना यदि कोच्चि हवाई अड्डे से करें तो 'द हिंदू' की खबर के अनुसार अप्रैल-जून की तिमाही तक लगभग 21 लाख अंतर्राष्ट्रीय यात्री आये-गये। व्यापार और नवउद्योग स्थापित करने हेतु मैत्रीपूर्ण माहौल प्रदान करके ही भारतीय अप्रवासी समुदाय को मूल्यवान स्रोत में तब्दील किया जा सकेगा। इटैलियन राजदूत के विचारों को इतने विस्तार से बताने के पीछे मेरा मकसद केवल उस पैमाने की महत्ता गिनाना है कि जब केवल अकेले इटली से हमारा इतना फायदा हो सकता है तो इसमें विशालकाय ऑस्ट्रेलिया-कनाडा की निवेश और मानव संसाधन के जरिए संयुक्त उपक्रमों को बढ़ावा देने वाली सरकारों को जोड़ लिया जाए तो कितना हो सकता है। बात केवल पंजाब की क्यों? खुद केंद्र सरकार ने करोड़ों नौकरियां देने का वादा किया था। यह तमाम नौकरियां अब कहां गईं? पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और उत्तराखंड में तो कतई नहीं बल्कि सशस्त्र बलों में भर्ती होने की रिवायती रोजगार संभावना भी नाकाफी है। अब तो इन राज्यों के युवा भी विदेशी मुल्कों का रुख करने लगे हैं। सांसद महुआ मित्रा ने राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए संसद में कहा है कि अक्तूबर माह में देश का औद्योगिक उत्पादन 4 प्रतिशत घटा है जोकि पिछले छह महीनों का न्यूनतम है और विनिर्माण क्षेत्र, जो आज भी रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, इसमें भी 5.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है (एनडीटीवी के अनुसार)। महुआ ने हमारे सामाजिक ताने-बाने के एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र के आंकड़ों के हवाले से कहा कि लगभग 2 लाख लोगों ने 2022 के पहले 10 महीनों में भारतीय नागरिकता त्याग दी है। जबकि पिछले नौ साल के दौरान यह संख्या कुल मिलाकर 12.5 लाख थी। इन आंकड़ों से कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि विदेशी नागरिकता लेने के चाहवानों में अधिसंख्य मध्य-स्तर के कारोबारी होंगे। यह स्थिति पहले ही ठिठक चुकी अर्थव्यवस्था में और अधिक बेरोजगारी बनाएगी। 13 दिसम्बर को वित्त मंत्री ने अपने संसदीय व्यक्तव्य में कहा कि बैंकों ने पिछले 5 वित्तीय वर्षों में 10 लाख करोड़ के ऋण माफ किए हैं। 'द ट्रिब्यून' में छपी एक खबर में बताया गया कि रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को सूचित किया है कि कुछ प्रावधानों के अंतर्गत चोटी के 25 ऋण डिफाल्टरों के अलावा 10 लाख करोड़ का कर्ज दबाए बैठे अन्य लोगों के नाम उजागर नहीं किए जा सकते। वहीं अगर कोई आम आदमी स्कूटर, कार, घर के लिए उठाया ऋण वापस न कर पाए तो सब जानते हैं कि बैंकों ने उगाही के लिए विशेष टीमें बना रखी हैं, जो जोर-जबरदस्ती करने को उतारू हो जाती हैं और कुछ नहीं मिला तो इनको जब्त कर लेती हैं। मैं खुद के अर्थशास्त्री होने का दावा नहीं करता इसलिए यह गड़बड़झाला आम आदमी की भाषा में समझाने का काम विशेषज्ञों पर छोड़ता हूं। इस तमाम तफसील के पीछे बिंदु यह है कि एक ओर केंद्र सरकार युवाओं के लिए यथेष्ट संख्या में रोजगार पैदा करने में विफल रही है तो दूसरी ओर बड़े और मध्यम कारोबारी घराने अपने काम-धंधों को मुनाफादायक बनाने में असफल हुए हैं और कर्ज माफी पा गए, हम आम लोगों के लिए क्या? अर्थव्यवस्था और रोजगार का क्या होगा? लाखों युवा बेकार घूम रहे हैं और नशा बेचने वालों व अपराधी टोलों का आसान निशाना हैं। मीडिया की खबरों के अनुसार पड़ोसी देशों से आने वाले मादक पदार्थों की पंजाब में भरमार है। जितनी मात्रा पकड़ में आई है उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि असल में समाज में कितनी बिक रही होगी। सबसे बड़ी खेपें महाराष्ट्र और गुजरात के तटों से आ रही हैं, कुछ ही मात्रा पकड़ में आई है। वास्तव में, समूची तटरेखा में स्मगलिंग के लिहाज से सुराख हैं और इस पर नियंत्रण के लिए राज्य एवं केंद्र सरकारों को संयुक्त रूप से काम करना होगा। हथियार न केवल सीमा पार से आ रहे हैं बल्कि देश में भी बन रहे हैं। अपराध और अपराधी फल-फूल रहे हैं, स्थानीय लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। तमाम मुख्य शहरों और यहां तक कि छोटे शहरों से रोजाना अखबारों में दिमाग को सुन्न कर देने वाली संख्या में बलात्कार, हमले, चोरियों इत्यादि के मामले पढ़ने को मिल रहे हैं। 'गैंग' शब्द हमारे शब्दकोष में नया घुस आया है। आज की तारीख में गैंगस्टर, गायक, नशा समग्लर, हथियारों के सौदागर और राजनीति एवं आपराधिक न्याय तंत्र में बैठे उनके आकांओं का गठजोड़ बना हुआ है। इन दिनों जो पुलिस राजनीतिक आकाओं का हुक्म बजाने में ज्यादा मशगूल है वह क्योंकर वक्त की हकीकतों को जवाबदेह होने लगी। कानून का राज अब राजनीतिक एजेंडे और जरूरतों के निजाम में तब्दील हो चुका है। इस आपराधिक स्थिति में इजाफा देश में गतिविधियां चला रहे चरमपंथी संगठन कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तर-पूर्वी राज्यों और जनजातीय क्षेत्रों में असहज शांति की स्थिति है। राज्य एवं केंद्र सरकार को अपने संसाधन मिलाकर इस स्थिति का सामना करना होगा क्योंकि चीन और पाकिस्तान से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा और नियंत्रण रेखा पर भी हम टाइम बम पर बैठे हैं। इन तमाम समस्याओं का उत्तर बढ़िया प्रशासन से शुरू होता है। समय आ गया है कि सरकारें संस्थानों और प्रशासनिक तंत्र की मशीनरी की आजादी सुनिश्चित करें और इनका इस्तेमाल साझा अच्छाई के हितार्थ करें।

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

दुनिया के विभिन देशों के मध्य एकता एवं भाईचारे का सन्देश देने एवं वृद्धि के लिए प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस का आयोजन किया जाता है। इस दिवस के माध्यम से विविध संस्कृति एवं पहचान वाले देशों के मध्य आपसी सहयोग एवं सौहार्द पर जोर दिया जाता है। विभिन देशों के विकास एवं उन्नति के लिए सभी देशो के मध्य एकता को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस के माध्यम से दुनिया को और भी बेहतर बनाने के लिए विभिन देशो के द्वाराअंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवसका आयोजन किया जाता है।

यह दुनिया विविधता से भरी हुयी है ऐसे में यहाँ विभिन भाषा संस्कृति एवं नस्ल के लोग निवास करते है। प्रायः विभिन देशों के मध्य एकता की कमी एवं हित-टकरावो के कारण दुनिया में अनेक बार युद्ध हिंसा आतंकवाद एवं अन्य समस्याओ का सामना करना पड़ा है जिससे सम्पूर्ण मानव जाति को हानि उठानी पड़ी है। ऐसे में विभिन देशों के नागरिको के मध्य आपसी सहयोग एवं एकता के माध्यम से ही इन सभी घटनाओं को रोका जा सकता है।

दुनिया के विभिन देशों के मध्य एकता एवं भाईचारे को बढ़ाने एवं आपसी सहयोग एवं सौहार्द भाव से विभिन देशो के मध्य विकास की गति को बढ़ावा देने के एकता दिवस का आयोजन किया जाता है। विविधता से भरी दुनिया में समावेशी विकास हेतु दुनिया के विभिन देशों के मध्य एकता होना आवश्यक है जिससे की सभी देश परस्पर आर्थिक रूप से प्रगति कर सकते है। एकता को सम्पूर्ण इतिहास में एक महान मानवीय गुण माना गया है। दुनिया के इतिहास को उठाकर देखने से पता चलता है की दुनिया में सभी महान कार्य मानव की एकता एवं सहयोग से ही संभव हो सके है। दुनिया में सभी महान एवं बड़े कार्यो हेतु मानवीय एकता आवश्यक है। साथ ही मानव जाति द्वारा झेली जा रही विभिन समस्याओ भुखमरी निर्धनता अशिक्षा आतंकवाद एवं अन्य समस्याओ को सामूहिक प्रयासों से ही हल किया जा सकता है। ऐसे में इन सभी समस्याओं के निवारण हेतु मानवीय एकता आवश्यक है।

दुनिया के समावेशी विकास हेतु एवं अनेकता में एकता के जीवनमूल्य को चरितार्थ करने हेतु भी एकता को आवश्यक माना गया है। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु एकता के महत्व एवं समावेशी विकास प्राप्त करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में एकता महत्वपूर्ण मूल्य के रूप में परिभाषित है।

दुनिया में आपसी सहयोग एवं सौहार्द को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा सर्वप्रथम अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस का विचार रखा गया जिससे की विभिन देशो के अंतर्राष्ट्रीय संबंधो को मजबूत किया जा सके एवं देशों के मध्य आपसी सहयोग की भावना को बढ़ाया जा सके। इसके लिए 22 दिसंबर 2005 को संकल्प 60 /209 के माध्यम से मानव एकता के मूल्य को पहचाना गया एवं प्रतिवर्ष 20 दिसंबर को ढूअंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस को मनाने के निर्णय लिया गया।

उद्देश्य

विविधता के एकता का प्रदर्शन

नागरिकों के मध्य एकता एवं भाईचारे की वृद्धि

अंतर्राष्ट्रीय संबंधो में मजबूती

समावेशी विकास हेतु आपसी सहयोग को बढ़ावा

सतत विकास को प्रोत्साहित करना

दुनिया में सौहार्द एवं शांति को बढ़ावा देना

विश्व को एक बेहतर स्थान बनाना

महत्व

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस के

माध्यम से विभिन देशों के मध्य एकता एवं भाइचारे में वृद्धि होती है जिससे की विभिन राष्ट्र आपसी हितो के लिए एक दूसरे का सहयोग करते है। विभिन राष्ट्रों के मध्य आपसी सहयोग को बढ़ावा देने एवं सामूहिक रूप से विकास हेतु अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मानव निर्मित आपदाओं युद्ध भुखमरी अशिक्षा निर्धनता एवं आतंकवाद से लड़ने के लिए मानवीय एकता दिवस के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाये जाते है। साथ ही सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं समावेशी विकास हेतु भी अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस भी भूमिका सराहनीय है।

अब तो मज़हब कोई ऐसा भी चलाया जाए

जिस में इंसान को इंसान बनाया जाए - गोपालदास नीरज

हिन्दू भी सुकूँ से है मुसलमाँ भी सुकूँ से

इंसान परेशान यहाँ भी है वहाँ भी - निदा फ़ाज़ली

वक्त अच्छे अच्छों का असली चेहरा सामने ला देता है

कौन खेल रहा है. कौन प्यार करता है बता देता है।

(चिंतन-मनन)

ईमानदारी सर्वोत्तम

एक राजा ने अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए राज्य के सभी नौजवानों को एक-एक बीज दिया और कहा इसे गमले में लगाकर सींचना और एक वर्ष के पश्चात मेरे पास लेकर आना। जिसका पौधा सबसे अच्छा होगा उसे राजा घोषित किया जाएगा। सब बीज लेकर खुशी-खुशी लौटे। पांच-छह दिन गुजर जाने पर भी जब बीज अंकुरित नहीं हुआ तो सबने उसी प्रकार का बीज नर्सरी से खरीदकर अपने-अपने गमले में लगा दिया और सींचने लगे। इन सबमें केवल भोलू नाम का नौजवान ही ऍसा था जिसने दूसरा बीज खरीदने का दुस्साहस नहीं किया। कुछ दिनों के पश्चात सभी युवा अपने-अपने हरे-भरे गमले के साथ राजा के सम्मुख पेश हुए केवल भोलू ही खाली गमले के साथ कोने में नजरें चुराए खड़ा था। राजा ने उसे पास बुलाया और घोषणा कर दी कि भोलू ही मेरा उत्तराधिकारी है। जब जनता ने उसके खाली गमले को प्रश्नवाचक नजरों से देखा तो राजा ने सभी के समक्ष यह भेद खोला कि मैंने उबले हुए बीज सभी को दिए थे। भोलू ने उसी उबले बीज को सींचा जबकि शेष सभी ने राजा बनने के लिए बीज बदल लिए। ये बड़े-बड़े पौधे बेईमानी की कहानी कह रहे हैं। सत्य तो यही है कि बीज तो अंकुरित होना ही नहीं था बावजूद इसके भोलू हिम्मत व ईमानदारी से अपना खाली गमला ही मेरे पास लेकर आया। इसलिए अगला राजा भोलू ही होगा। यदि हम बुद्धि रूपी जमीन पर ईमानदारी का बीजारोपण कर उसे सींचेंगे तो निसंदेह उस पर विश्वास रूपी मीठे फल निकलेंगे।

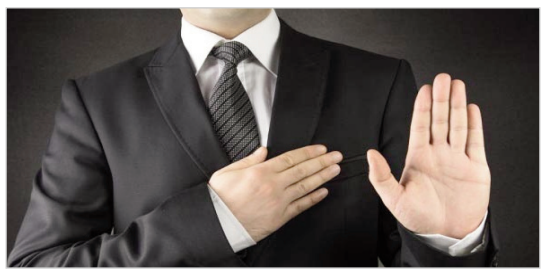

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

व्हाट्सएप लाया एक्सीडेंटल डिलीट फीचर

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने सोमवार को सुरक्षा की एक नई लेयर एक्सीडेंटल डिलीट फीचर पेश किया।कंपनी ने एक बयान में कहा, सभी को उस स्थिति का सामना करना पड़ा जब उन्होंने गलत व्यक्ति या ग्रुप को एक मैसेज भेजा और गलती से डिलीट फॉर एवरीवन के बजाय डिलीट फॉर मी पर क्लिक कर दिया, जिससे वे असहज स्थिति में आ गए। इस समस्या को हल करने के लिए एक्सीडेंटल डिलीट फीचर यूजर्स को एक्सीडेंटल मैसेज डिलीट को रिवर्स करने और डिलीट फॉर एवरीवन पर क्लिक करने के लिए पांच सेकंड की विंडो प्रदान करके मदद करेगा। यह फीचर यूजर्स को हटाए गए मैसेज को तुरंत पूर्ववत करने का क्षण देता है यदि वे गलती से डिलीट फॉर मी का चयन करते हैं लेकिन इसका मतलब डिलीट फॉर एवरीवन है। एक्सीडेंटल डिलीट फीचर एंड्रॉइड और आईफोन डिवाइसों पर सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध है। पिछले महीने, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने भारत में एक नया मैसेज योरसेल्फ फीचर शुरू करने की घोषणा की थी।

टेक्सटाइल निर्यात में पांचवे महीने बड़ी गिरावट

200 अरब डालर का टेक्सटाइल उद्योग संकट में

नई दिल्ली। भारत का 200 अरब डॉलरभारतीय मुद्रा में 16.50 लाख करोड़ों रुपए का टेक्सटाइल कारोबारइन दिनों भारी संकट के दौर से गुजर रहा है। महंगाई और आर्थिक मंदी के चलते अमेरिका यूरोप और अन्य देशों ने महंगाई के कारण कपड़े के खर्च में कटौती कर दी है। जिसके कारण भारतीय टेक्सटाइल निर्यात को बड़ा धक्का लगा है। लगातार पांचवे महीने भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल के मुकाबले नवंबर माह में निर्यात 15 फ़ीसदी गिरकर मात्र 3.1 अरब डॉलरभारतीय मुद्रा में केवल 25647 करोड़ रुपए का रह गया है। भारत में कपड़ा उद्योग से 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार मिलता है। कपड़ा बाजार में निरंतर मांग की कमी होने और निर्यात घटने से कपड़ा उद्योग भारी संकट के दौर से गुजर रहा है। मेकिनसे की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक मांग में कमी और विकसित देशों में कपड़े की मांग घटने से कपड़ा निर्यात के क्षेत्र में आगे के महीनों में भी गिरावट जारी रहेगी। कपड़ा उद्योग में छटनी का संकट खड़ा हो गया है।

रियल एस्टेट में पीई निवेश घटकर 5.13 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली। मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं और भू-राजनीतिक स्थितियों की वजह से निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया जिससे रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी (पीई) निवेश इस वर्ष 17 फीसदी गिरकर 5.13 अरब डॉलर रह गया। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रियल एस्टेट सलाहकार फर्म नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार आवास कार्यालय और खुदरा क्षेत्रों में वर्ष 2022 में पीई निवेश घटा है जबकि पिछले वर्ष की तुलना में गोदाम परिसंपत्तियों में यह बढ़ा है। आंकड़ों के मुताबिक गोदामों में पीई निवेश पिछले वर्ष के 131.3 करोड़ डॉलर से 45 फीसदी बढ़कर इस वर्ष 190.7 करोड़ डॉलर हो गया। वहीं कार्यालय परिसंपत्तियों में पीई निवेश 19 फीसदी गिरकर 233.1 करोड़ डॉलर पर आ गया जो 2021 में 288.2 करोड़ डॉलर था। आवासीय श्रेणी में पीई निवेश 2021 में 118.7 करोड़ डॉलर था जो 2022 में 50 फीसदी घटकर 59.4 करोड़ डॉलर रह गया। खुदरा परिसंपत्तियों में भी यह 63 फीसदी घटकर 30.3 करोड़ डॉलर रह गया जो 2021 में 81.7 करोड़ डॉलर था। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि ब्याज दरों और मुद्रास्फीति के बढ़ने को लेकर उपजी चिंता और अंतरराष्ट्रीय तनाव में बढ़ोतरी की वजह से निवेशक और सतर्क हो गए हैं इसलिए 2022 में भारत में निवेश माहौल नरम हुआ है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । (एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग तेल और एफएमसीजी शेयरों में हुई खरीददारी से आया है। बाजार में यह बढ़त दो दिन के अंतराल के बाद आई है। इसे सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की बढ़त आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 468.38 अंक करीब 0.76 फीसदी बढ़कर 61806.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 151.45 अंक तकरीबन 0.83 फीसदी ऊपर आकर 18420.45 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत सप्ताह के अंतिम दो कारोबारी दिनों में बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा पावरग्रिड भारती एयरटेल बजाज फिनसर्व एचडीएफसी हिंदुस्तान यूनिलीवर मारुति सुजुकी आईटीसी टाइटन नेस्ले बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर ऊपर आये जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज इन्फोसिस

टाटा मोटर्स और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे हैं।

वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी जापान का निक्की चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग नीचे आया है। दूसरी ओर यूरोपीय शेयर बाजारों में तेजी दर्ज की गयी। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नीचे आये थे।

इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.15 फीसदी बढ़कर 79.95 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपये में बढ़त आई है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया छह पैसे बढ़कर 82.69 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.80 के स्तर पर गिरावट के साथ खुला पर कारोबार के अंत में यह छह पैसे बढ़कर 82.69 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.57 के उच्चस्तर और 82.80 के निचले स्तर पर पहुंचा। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.75 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। इसी बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.44 फीसदी नीचे आकर 104.24 पर पहुंच गया।

विदेशी निवेशकों ने दिसंबर में अब तक बाजारों में 10555 करोड़ का निवेश किया

मुंबई । अमेरिका में मुद्रास्फीति में नरमी और तेल के दामों में स्थिरता आने के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजारों में दिसंबर महीने में अब तक करीब 10555 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। नवंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजारों में 36200 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि एक से 16 दिसंबर के बीच एफपीआई ने 10555 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है और इसके पीछे वजह डॉलर सूचकांक का कमजोर पड़ना और काफी हद तक सकारात्मक व्यापक आर्थिक रूझान हैं। इससे पहले सितंबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 7624 करोड़ रुपए और अक्टूबर में आठ करोड़ रुपए की निकासी की थी। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी पूंजी का प्रवाह वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगा। डॉलर सूचकांक और अमेरिकी बांड का प्रतिफल अमेरिका में मुद्रास्फीति के स्तर पर निर्भर करेगा। आने वाले समय में एफपीआई से आने वाला पूंजी प्रवाह अस्थिर रह सकता है क्योंकि दुनिया भर के बाजारों में अस्थिरता बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने मुद्रास्फीति को काबू में करने के लिए लंबे समय तक ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर रखने का इरादा जताया है। भारत को छोड़कर फिलीपींस दक्षिण कोरिया ताइवान थाईलैंड और इंडोनेशिया समते सभी उभरते बाजारों में दिसंबर में अब तक एफपीआई प्रवाह नकारात्मक रहा है।

पिचई ने वैष्णव से कहा- कंपनियों का नवाचार करने में मदद करने के लिए नियामक ढांचा तैयार करें

नई दिल्ली। (एजेंसी)

जैसा कि भारत अपने व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (पीडीपी) बिल को परिष्कृत करता है, अन्य बिलों के साथ जो डिजिटल युग को पूरा करते हैं, अल्फाबेट और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने सोमवार को कहा कि सरकार के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह विनियामक ढाँचे का निर्माण करे जो कंपनियों को भूमि के उन स्थानीय कानूनों के ऊपर नवाचार करने में मदद करे।इस बात पर जोर देते हुए कि डिजिटल परिवर्तन के दौरान देश एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है, पिचाई ने खुले और कनेक्टेड इंटरनेट की वकालत की। उन्होंने यहां गूगल इंडिया के प्रमुख कार्यक्रम में आईटी और दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में कहा, भारत को यहां नेतृत्व की भूमिका निभानी है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आप उन सुरक्षा उपायों को संतुलित कर रहे हैं जो आप लोगों के लिए रख रहे हैं और नवीन ढाँचे बना रहे हैं ताकि कंपनियां कानूनी ढाँचे में निश्चितता के शीर्ष पर नवप्रवर्तन कर सकें। वैष्णव ने कहा कि सरकार कई तरह के बिलों पर काम कर रही है जो यूजर्स के डेटा को सुरक्षित रखेंगे और नई इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत कानूनी नियामक ढांचा तैयार करेंगे। मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें एक व्यापक कानूनी नियामक ढांचा बनाने का स्पष्ट लक्ष्य दिया है। पहले हमारे पास दूरसंचार बिल है जो दूरसंचार वाहकों के लिए है। दूसरा डिजिटल सुरक्षा बिल है, जो नागरिकों के निजता अधिकारों को लागू करने पर केंद्रित है। डिजिटल इंडिया बिल व्यावहारिक रूप से बाकी सभी चीजों को देखेगा जिन्हें देखने की जरूरत है। सरकार का लक्ष्य अगले साल से इन बिलों को लाइव करना है। पिचाई ने कहा कि अगर आप उस पैमाने को देखें जिस पर तकनीक काम कर रही है और दुनिया भर में इतने सारे जीवन को छू रही है, मेरे लिए यह समझ में आता है कि तकनीक को जिम्मेदार विनियमन की जरूरत है। उन्होंने श्रोताओं से कहा, मुझे लगता है कि देशों के लिए यह सोचना महत्वपूर्ण है कि अपने नागरिकों की सर्वोत्तम सुरक्षा कैसे की जाए। हम रचनात्मक रूप से जुड़ रहे हैं। गूगल के सीईओ ने उल्लेख किया, ऐसा कुछ बनाना आसान है जो पूरे देश में फैला हो और यही वह अवसर है जो भारत के पास है। स्टार्टअप करने के लिए कोई बेहतर समय नहीं है, भले ही हम अभी मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिति के माध्यम से काम कर रहे हैं। वैष्णव ने कहा कि जैसे ही पीडीपी बिल को अंतिम रूप दिया जाएगा, सीमा पार डेटा प्रवाह पर, सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि दृष्टिकोण डेटा प्रवाह को बाधित किए बिना डेटा सुरक्षा को मजबूत करने पर केंद्रित हो। आईटी मंत्री ने कहा कि पीडीपी विधेयक को डेटा संरक्षण के संबंध में चिंताओं और शिकायतों के निवारण के लिए इस तरह से तैयार किया जाएगा कि तंत्र समाज के हर वर्ग के लिए सुलभ और प्रभावी हो।

सैमसंग ने भारत में 2 किफायती गैलेक्सी स्मार्टफोन लॉन्च किए

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सैमसंग ने सोमवार को भारत में उपभोक्ताओं के लिए दो किफायती गैलेक्सी स्मार्टफोन-गैलेक्सी ए04 और गैलेक्सी ए04ई लॉन्च किए।कंपनी के अनुसार, गैलेक्सी ए04 दो वर्जन्स 4 जीबी प्लस 64 जीबी 11,999 रुपये में और 4 जीबी प्लस 128 जीबी 12,999 रुपये में आता है, जबकि गैलेक्सी ए04ई तीन वर्जन्स- 3 जीबी प्लस 32 जीबी 9,299 रुपये में, 3 जीबी प्लस 64 जीबी 9,999 रुपये में, और 4 जीबी प्लस 128 जीबी 11,499 रुपये में आता है। दोनों डिवाइस मंगलवार से खरीद के लिए कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट और अन्य चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। सैमसंग इंडिया के महाप्रबंधक, मोबाइल बिजनेस, अक्षय एस. राव ने एक बयान में कहा, गैलेक्सी ए04 और गैलेक्सी ए04ई ए सीरीज की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसमें रैम प्लस के साथ 8 जीबी मेमोरी, 128 जीबी तक का हाई स्टोरेज, 5000 एमएएच की बड़ी बैटरी और फेस रिकग्निशन जैसी सेगमेंट-अग्रणी विशेषताएं आपके फोन को अनलॉक करने के लिए हैं। बेहतर परफॉरमेंस, स्मूद मल्टीटास्किंग, सीमलेस ऐप नेविगेशन और अबाधित गेमिंग के लिए, गैलेक्सी डिवाइस रैम प्लस फीचर के साथ 8 जीबी तक रैम के साथ आते हैं। गैलेक्सी ए04 में 50एमपी का डुअल रियर कैमरा है, जबकि गैलेक्सी ए04ई में 13एमपी का डुअल कैमरा सेटअप है।

कंपनी ने कहा कि दोनों स्मार्टफोन सेल्फी लेने के लिए 5 मेगापिक्सल के फ्रंट कैमरे के साथ आते हैं और यादगार पलों को कैद करने के लिए अलग-अलग मोड के साथ अच्छी गुणवत्ता वाले पोर्ट्रेट सुनिश्चित करने के लिए रियर डेप्थ लाइव फोकस कैमरा है। दोनों डिवाइस बड़े पैमाने पर 6.5-इंच एचडी प्लस इनफिनिटी-वी डिस्प्ले के साथ आते हैं। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को एंड्रॉइड 12 का फुल वर्जन आउट ऑफ द बॉक्स मिलेगा।

दिवाला के 1,807 मामलों का निस्तारण : मंत्री

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कंपनी मामलों के राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के तहत 1,807 मामलों का निपटारा किया गया। इनमें से 429 मामलों में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है और 1,378 परिसमापन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।समाधान में देरी के कारणों पर जवाब में कहा गया, परिसमापक द्वारा समाधान और अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने में देरी कॉपोरेट देनदार की संपत्ति पर नियंत्रण लेने में समस्या, संपत्ति की वसूली, अत्यधिक मुकदमेबाजी, लंबित परिहार जैसे कारणों से होती है। भारतीय दिवालियापन और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) (परिसमापन प्रक्रिया) विनियम, 2016 के विनियम 35 को अक्टूबर, 2018 में संशोधित किया गया था, ताकि यह प्रावधान किया जा सके कि परिसमापक कॉपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के तहत प्राप्त मूल्यांकन पर विचार कर सकता है। आईबीबीआई ने परिसमापन संपत्तियों की नीलामी के सार्वजनिक नोटिसों की मेजबानी के लिए अपनी वेबसाइट पर एक इलेक्ट्रॉनिक मंच भी प्रदान किया है। मंत्रालय ने अपने उत्तर में सूचित किया कि परिसमापन विनियमों के विनियम 37 के साथ पठित संहिता की धारा 52 परिसमापन कार्यवाही में एक सुरक्षित लेनदार द्वारा सुरक्षा हित को त्यागने के लिए तंत्र और तरीके प्रदान करती है।

वित्त वर्ष 2023 में भारत की जीडीपी 7 फीसदी बढ़ेगी: एक्यूइट

चेन्नई। (एजेंसी)

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एक्यूइट रेटिंग्स एंड रिसर्च ने वित्त वर्ष 2023 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।एक रिपोर्ट में, एक्यूइट ने कहा कि वित्त वर्ष 22-2023 की दूसरी तिमाही में भारत की वार्षिक जीडीपी वृद्धि अपेक्षित रूप से 6.3 प्रतिशत वर्ष-दर-वर्ष की धीमी गति से विस्तारित हुई, जबकि वित्त वर्ष 22-2023 की पहली तिमाही में 13.5 प्रतिशत थी, पिछले वर्ष में दूसरी कोविड लहर द्वारा बनाए गए अनुकूल आधार प्रभाव को कम करने के कारण हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिर भी, उच्च आवृत्ति वाले प्रमुख संकेतकों के अनुसार घरेलू मांग से संचालित भारत की विकास गति अनिश्चित और तेजी से बढ़ते प्रतिकूल वैश्विक माहौल के बावजूद लचीली बनी हुई है। एक्यूइट के अनुसार, दबी हुई और त्योहारी मांग ने इस गति को बनाए रखने में सकारात्मक भूमिका निभाई है, वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कुछ प्रमुख संकेतकों में सुधार की संभावना है, जब तक कि ग्रामीण मांग में स्थायी और लगातार वृद्धि न हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि त्योहारी महीने में कार्य दिवसों के नुकसान ने अक्टूबर में आईआईपी पर डर पैदा किया हो सकता है, वैश्विक विकास में तेज मंदी का वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही से विकास पर मजबूत असर पड़ने की संभावना है। वार्षिक आधार पर आगे की ओर देखते हुए, एक्यूइट ने कहा कि अनुकूल सांख्यिकीय प्रभाव के और कम होने के कारण, जीडीपी वृद्धि में गिरावट की राह पर रहने की उम्मीद है। तीसरी तिमाही और चौथी तिमाही के लिए, वृद्धि 4-4.5 प्रतिशत के करीब खिसकने की संभावना है। सेवाओं की मांग में मजबूती, रबी की बुआई में तेजी, कैपेक्स-उन्मुख सरकारी व्यय और वैश्विक कमोडिटी की कीमतों में कमी जैसे कारकों के समर्थन के बावजूद वृद्धिशील बाहरी जोखिमों और घरेलू विकास पर उनके प्रभाव के कारक हैं। एक्यूइट ने कहा कि ऊपर और नीचे के कारकों को ध्यान में रखते हुए, हमने वित्त वर्ष 2023 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के अनुमान को मामूली रूप से संशोधित कर सात प्रतिशत कर दिया था।

लावा ने पेश किया नया किफायती स्मार्टफोन एक्स3

नई दिल्ली। (एजेंसी)

घरेलू स्मार्टफोन ब्रांड लावा ने सोमवार को अपनी एक्स सीरीज के तहत 3 जीबी रैम और 32 जीबी रोम के साथ एक नया बजट-अनुकूल स्मार्टफोन-एक्स3 लॉन्च किया, जिसे 512 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है।स्मार्टफोन की कीमत 6,999 रुपये है और यह तीन कलर्स-आर्कटिक ब्लू, चारकोल ब्लैक और लस्टर ब्लू में आता है। कंपनी ने कहा कि स्मार्टफोन चुनिंदा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 20 दिसंबर से प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध होगा। यह स्मार्टफोन एलईडी फ्लैश के साथ 8एमपी डुअल एआई रियर कैमरा और सेल्फी के लिए 5एमपी फ्रंट कैमरा से लैस है। कंपनी के अनुसार, कैमरा विभिन्न मोड प्रदान करता है जो यूजर्स को एआई मोड, ब्यूटी मोड, एचडीआर मोड, पोर्ट्रेट मोड, नाइट मोड, एआर स्टिकर, जीआईएफ, क्यूआर स्कैनर और टाइमलैप्स जैसे फीचर्स का पता लगाने की अनुमति देगा। इसके अलावा, एंड्रॉइड 12 गो द्वारा संचालित, स्मार्टफोन में 16.55 सीएम (6.5 इंच) डिस्प्ले और मीडियाटेक हेलियो 22 चिपसेट है, जिसकी क्लॉक स्पीड 2.0 गीगाहर्ट्ज तक है। स्मार्टफोन रियर फिंगरप्रिंट स्कैनर से भी लैस है। नया डिवाइस 4000 एमएएच बैटरी, डुअल 4जी सिम सपोर्ट और टाइप सी चार्जिंग पोर्ट के साथ आता है।

पिछले महीने, लावा ने प्रीमियम ग्लास बैक और ऑक्टा-कोर मीडियाटेक हेलियो जी37 चिपसेट के साथ एक और बजट-अनुकूल स्मार्टफोन- ब्लेज एनएक्सटी लॉन्च किया था, जिसकी कीमत 9,299 रुपये थी।

एप्पल 2023 में नए मैकबुक प्रो मॉडल, आईमैक कर सकता है लॉन्च

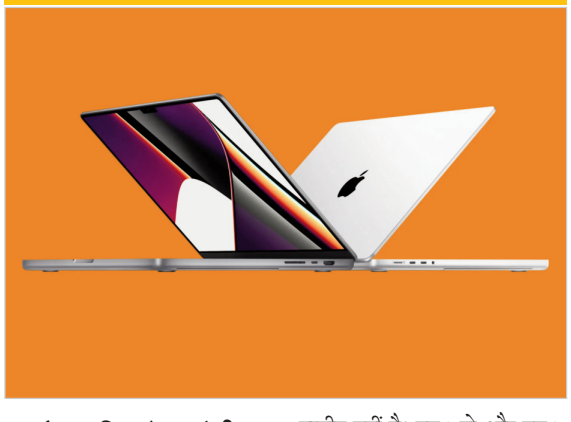

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

एप्पल कथित तौर पर अगले साल अपने नए मैकबुक प्रो मॉडल और लेटेस्ट आईमैक लॉन्च करेगा।मैकरूमर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन के मुताबिक, तकनीकी दिग्गज अपने नए 14-इंच और 16-इंच मैकबुक प्रो मॉडल को एम2 प्रो और एम2 मैक्स चिप ऑप्शन्स के साथ अगले साल की शुरुआत में जारी करने की योजना बना रहा है। लैपटॉप के इस साल लॉन्च होने की उम्मीद थी, लेकिन कथित तौर पर आंतरिक देरी का सामना करना पड़ा। अपडेटेड चिप विकल्पों और तेज रैम के अलावा, आगामी मैकबुक प्रो मॉडल के लिए कोई महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद नहीं है। एम1 प्रो और एम1 मैक्स चिप्स के साथ मौजूदा 14-इंच और 16-इंच मैकबुक प्रो मॉडल पिछले साल अक्टूबर में जारी किए गए थे, जिसमें डिस्प्ले, एचडीएमआई पोर्ट, मैगसेफ चार्जर और एक एसडी कार्ड रीडर में एक पायदान है। गुरमन ने यह भी कहा कि एम3 चिप वाला नया आईमैक शायद 2023 के अंत में जल्द से जल्द लॉन्च होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी एम2 और एम2 प्रो चिप ऑप्शन्स के साथ नए मैक मिनी मॉडल का भी परीक्षण कर रही है।

गुरमन ने यह भी कहा कि आईफोन निर्माता कई नए एक्सटर्नल मॉनिटर पर काम कर रहा है जो कंपनी के इन-हाउस सिलिकॉन चिप से लैस होंगे।

शिमला में लाइव हुआ एयरटेल 5जी प्लस

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल ने सोमवार को शिमला में अपनी अत्याधुनिक 5जी सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की।एयरटेल 5जी सेवाएं वर्तमान में मॉल रोड, संजोली, ढली, भट्टा कुफर, रिज और संजोली हेलीपैड क्षेत्र और कुछ अन्य चुनिंदा स्थानों पर चालू हैं। एयरटेल ने कहा कि वह आने वाले समय में पूरे शहर में अपनी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार करेगी। अपर नॉर्थ के सीईओ पुष्पिंदर सिंह गुजराल ने एक बयान में कहा, एयरटेल ग्राहक अब अल्ट्राफास्ट नेटवर्क का अनुभव कर सकते हैं और मौजूदा 4जी स्पीड की तुलना में 20 से 30 गुना तेज स्पीड का आनंद ले सकते हैं। हम पूरे शहर को रोशन करने की प्रक्रिया में हैं, जो ग्राहकों को हाई-डेफिनिशन वीडियो स्ट्रीमिंग, गेमिंग, मल्टीपल चैटिंग, फोटो को तुरंत अपलोड करने और बहुत कुछ करने के लिए सुपरफास्ट एक्सेस का आनंद लेने की अनुमति देगा। एयरटेल 5जी प्लस सेवाएं ग्राहकों के लिए चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होंगी क्योंकि कंपनी अपने नेटवर्क का निर्माण और रिलीज पूरा करना जारी रखे हुए है। कंपनी का कहना है कि यह तेज स्पीड, सर्वश्रेष्ठ आवाज अनुभव प्रदान करने का वादा करती है, जो सभी 5जी स्मार्टफोन पर काम करेगी। पिछले महीने एयरटेल ने पटना में अपनी 5जी सर्विस लॉन्च की थी। दिल्ली, मुंबई, गुरुग्राम, गुवाहाटी, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, सिलीगुड़ी, नागपुर और वाराणसी में भी 5जी सेवाएं शुरू हो गई हैं। इसके अलावा, भारती एयरटेल ने कहा कि उसने अपने नेटवर्क पर एक मिलियन यूनीक 5जी उपयोगकर्ता चिह्न को पार कर लिया है, क्योंकि टेलीकॉम ऑपरेटर चरणबद्ध तरीके से 5जी सेवाओं को रिलीज कर रहा है। इसके लिए सिम बदलने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि मौजूदा एयरटेल 4जी सिम 5जी सक्षम है।

Sports

कतर विश्वकप में हुए सबसे अधिक गोल

लुसैल । यहां कतर में रविवार को समाप्त हुए विश्वकप फुटबॉल में सबसे अधिक गोल का एक नया रिकार्ड बना है। अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच हुए फाइनल में छह गोल होने के साथ ही इस बार विश्व कप में कुल 172 गोल हुए हैं। इससे पहले साल 1998 और 2014 के विश्वकप में कुल 171 गोल हुए थे। वहीं फ्रांस में साल 1998 में खेले गए विश्व कप में पहली बार 32 टीमों ने हिस्सा लिया था और उसमें 64 मैच खेले गए थे। कतर में भी विश्व कप इसी प्रारूप में खेला गया। अब उत्तरी अमेरिका में होने वाले 2026 के विश्व कप में सर्वाधिक गोल का एक नया रिकॉर्ड बन सकता है क्योंकि उसमें 48 टीम भाग लेंगी और तब 80 या 104 मैच होंगे। अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच खिताबी मुकाबला अतिरिक्त समय के समाप्त होने तक 3-3 से बराबरी पर था। इसके बाद अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से जीत हासिल की। यह लगातार दूसरा अवसर है जबकि फाइनल में छह गोल किए हुए हैं। वहीं इससे पहले रूस में 2018 में खेले गए विश्वकप के फाइनल में फ्रांस ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया था।

पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से फ्रांस को हराकर अर्जेंटीना विश्व कप चैंपियन, काम न आई एम्बाप्पे की हैट्रिक

(एजेंसी)

कतर में फीफा वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल मैच में अर्जेंटीना की टीम पेनल्टी शूटआउट में डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस को 4-2 से हराकर विश्व विजेता बन गई है। फाइनल में अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच बेहद की रोमांचक मुकाबला हुआ। पेनल्टी शूटआउट में फ्रांस को हराकर अर्जेंटीना 36 साल बाद वर्ल्ड चैंपियन बना। लियोनल मेसी के लिए शायद ही इससे बेहतर विदाई और कुछ हो सकती थी। फाइनल में अर्जेंटीना की जीत के साथ ही फ्रांस का लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का सपना टूट गया। पहला हाफ अर्जेंटीना के नाम रहा तो दूसरा हाफ फ्रांस ने कमाल खेला। 90 मिनट तक मैच 2-2 की बराबरी पर रहने पर अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा। एक्स्ट्रा टाइम भी बड़ा ही मजेदार हुआ, एक्स्ट्रा टाइम के पहले हाफ में कोई गोल नहीं हुआ। एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ में लियोनल मेसी ने गोल दागकर अर्जेंटीना ने 3-2 से बढ़त बना ली।

इसके कुछ ही देर बाद किलियन एम्बाप्पे ने पेनल्टी का फायदा उठाते हुए गोल किया। स्कोर 3-3 से बराबर हो गया। इसके बाद विश्व कप का नतीजा पेनल्टी शूटआउट के जरिए निकला। लियोनल मेसी की अर्जेंटीना ने 4-2 से मैच अपने नाम कर लिया। अब बात पेनल्टी शूटआउट के रोमांच की करते हैं। सबसे पहले (1-0) फ्रांस के कीलियन एम्बाप्पेल ने लेफ्ट कॉर्नर में गोल दागा । उसके बाद (1-1) अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने लेफ्ट साइड गोल दागा। फिर (1-1) फ्रांस के किंग्स्ले कॉमान का शॉट अर्जेंटीना के गोलकीपर ने रोक लिया।

उसके बाद बारी अर्जेंटीना की आई (2-1) पाउलो डीबाला ने गोल दाग दिया, फिर (2-1) फ्रांस के औरेलियन चौमेनी पेनल्टी मिस कर गए। पेनल्टी शूटआउट अर्जेंटीना के लिए बहुत अच्छा रहा, अर्जेंटीना के लीएंड्रो पेरेडस ने गोल दागकर स्कोर 3-1 कर दिया एक बार फिर मैच में उम्मीद जगी जब फ्रांस के रांडल कोलो मुआनी ने गोल दागकर स्कोर 3-2 कर दिया। अब बारी थी फ्रांस के गोलकीपर की लेकिन अर्जेंटीना के गोंजालो मोंटिएल (4-2) ने गोल दागकर अर्जेंटीना को 36 साल बाद फीफा वर्ल्ड कप का चैंपियन बना दिया।

90 मिनट में दोनों टीमों से 4 (2 अर्जेंटीना/2 फ्रांस) गोल आए थे। पहले हाफ में अर्जेंटीना रहा हावी तो दूसरे हाफ में फ्रांस ने कमाल दिखाया। अर्जेंटीना के लिए फर्स्ट हाफ के 23वें मिनट में लियोनल मेसी और 36वें मिनट में एंजल डी मारिया ने गोल दागे। वहीं, फ्रांस के कीलियन एम्बाप्पे ने 97 सेकेंड में 2 गोल दागकर स्कोर लाइन 2-2 से बराबर कर दी।

हमें अगले विश्व कप के लिए मेसी को टीम में बरकरार रखने की जरूरत : स्कालोनी

(एजेंसी)

अर्जेंटीना के मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने रविवार को फुटबॉल टूर्नामेंट में अपनी टीम का नेतृत्व करने के बाद लियोनेल मेसी के 2026 विश्व कप तक खेलने की संभावना जताई है। मेसी के दो गोल की मदद से लुसैल स्टेडियम में रोमांचक फाइनल में अतिरिक्त समय की समाप्ति पर अर्जेंटीना और फ्रांस का स्कोर 3-3 रहा। गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने शूटआउट में दो स्पॉट-किक बचाई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्कालोनी के हवाले से कहा, हमें अगले विश्व कप के लिए टीम में जगह बचाने के लिए उनकी जरूरत है। अगर वह खेलना चाहते हैं, तो वह हमारे साथ रहेंगे। मेसी ने बार-बार कहा है कि यह विश्व कप - उनके करियर का पांचवां और आखिरी होगा। 2021 कोपा अमेरिका और अब फुटबॉल का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने के बावजूद, स्कालोनी ने सुझाव दिया कि मेसी में अभी भी कतर से परे अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को जारी रखने की प्रेरणा हो सकती है। स्कालोनी ने कहा, वह अर्जेंटीना के साथ खेलना चाहते हैं या अपने करियर के साथ जो कुछ भी करना चाहते हैं, उन्हें तय करने का अधिक अधिकार है। मेसी ने बार-बार कहा है कि यह विश्व कप - उनके करियर का पांचवां और आखिरी होगा। 2021 कोपा अमेरिका और अब फुटबॉल का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने के बावजूद, स्कालोनी ने सुझाव दिया कि मेसी में अभी भी कतर से परे अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को जारी रखने की प्रेरणा हो सकती है।

प्रधानमंत्री ने 2022 फुटबॉल विश्व कप जीतने पर अर्जेंटीना को बधाई दी

(एजेंसी)

मोदी ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बटरे फर्नांडीज को टैग करते हुए ट्वीट किया, इसे सबसे रोमांचक फुटबॉल मैचों में से एक के रूप में याद किया जाएगा! चैंपियन बनने पर अर्जेंटीना को बधाई! उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। अर्जेंटीना और मेसी के लाखों भारतीय प्रशंसक इस शानदार जीत पर खुशी मना रहे हैं! उन्होंने मैच में मौजूद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन को टैग करते हुए फाइनल में हारने वाले फ्रांस को भी उनके उत्साही प्रदर्शन के लिए बधाई दी। मोदी ने सिलसिलेवार ट्वीटों में कहा, फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए फ्रांस को बधाई! पेनल्टी शूटआउट के रोमांचक फाइनल में अर्जेंटीना ने फ्रांस को 4-2 से हराया, दोनों टीमें अतिरिक्त समय के बाद 3-3 से बराबरी पर थीं।

क्रिकेट में होगी रॉबिन उथप्पा की वापसी, इस विदेशी लीग में खेलते दिखेंगे

दुबई ।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने सितंबर में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी और अब वह इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के उद्घाटन संस्करण में शामिल में दुबई कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करते हुए नजर आएंगे। अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा मान्यता प्राप्त यह लीग अगले साल जनवरी में शुरू होगी। यह 37 वर्षीय हाई-प्रोफाइल भारतीय क्रिकेटरों में से एक रहा हैं जिन्होंने विदेशी टी20 लीग में खेलने के अवसरों का लाभ उठाने के लिए संन्यास लिया। उथप्पा ने कहा कि वह अपने देश और आईपीएल में घरेलू क्रिकेट खेलते हुए भी ऐसी लीगों में टीमों का प्रतिनिधित्व करना चाहते थे, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नियमों के तहत ऐसा नहीं कर सके। लेकिन उनके संन्यास से अब वह द हंड्रेड, बिग बैश लीग और कैरेबियन प्रीमियर लीग जैसी लीग में खेल सकेंगे, जिसमें वह खेलने के इच्छुक हैं। उथप्पा ने कहा, 'यह कुछ ऐसा है जो मैं करना चाहता था (विदेशी टी20 लीग में खेलना)। अब जब मैं संन्यास ले चुका हूं तो यह मुझे मौका देता है।' 'मैं खुद को खेल का छात्र मानता हूं। इसलिए जब मैं दुनिया में अलग-अलग परिस्थितियों में जाऊंगा और खेलूंगा तो मैं केवल अपने ज्ञान और अनुभव और खेल के बारे में जानकारी को समृद्ध करूंगा। कल अगर मैं कोच बनना चाहता हूं, तो मेरे पास अनुभव होना चाहिए।' जब मैं लड़कों के साथ बातचीत कर रहा होता हूं तो किसी तरह का स्टैंड लेता हूं। मुझे विश्वास है कि ये सभी अनुभव इसमें वैल्यू एड करेंगे।' उन्होंने कहा, 'मूल रूप से यह एक क्रिकेटर के रूप में बहुत अधिक बढ़ने के साथ करना है। चूंकि मुझे पिछले कुछ वर्षों में भारत से बाहर जाने और विभिन्न परिस्थितियों में खेलने का अवसर नहीं मिला है। मुझे उम्मीद है कि मैं [अब] दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जाने और लीग खेलने में सक्षम हूं, न केवल दुबई, बल्कि उपमहाद्वीप के बाहर भी - उम्मीद है कि अगले

साल दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड (द हंड्रेड), ऑस्ट्रेलिया (बीबीएल) और कैरेबियन (सीपीएल) में। यह मुझे खुद को बेहतर बनाने, एक इंसान के रूप में खुद को विकसित करने, विभिन्न संस्कृतियों, स्थानों और लोगों का अनुभव करने के लिए प्रेरित करता है। जहां तक क्रिकेट का संबंध है, वह सब केवल मेरे मूल्यों को जोड़ देगा, भले ही मैं बाद में जो भी करने का फैसला करता हूं।'

संक्षिप्त समाचार

विश्व कप ट्रॉफी उठाने से पहले हमने काफी कुछ सफर किया : गोलकीपर मार्टिनेज

दोहा। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने स्वीकार किया है कि पेनल्टी शूटआउट के बाद 2022 विश्व कप ट्रॉफी उठाने से पहले टीम में इमोशंस चरम पर थी और हमने और हमारी टीम ने काफी कुछ सफर किया। अर्जेंटीना ने फ्रांस के खिलाफ 2-0 की बढ़त बनाई, जो एक आसान जीत की ओर बढ़ती दिख रही थी, लेकिन दूसरे हाफ में किलियन एम्बाप्पे के दो गोलों ने खेल को बराबरी पर ला दिया, जिससे खेल अतिरिक्त समय में चला गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, लियोनेल मेसी ने 108वें मिनट में अर्जेंटीना को आगे कर दिया, लेकिन 118वें मिनट में एम्बाप्पे की पेनल्टी ने फाइनल को शूटआउट में ला दिया।मार्टिनेज ने कहा, हमने बहुत कुछ झेला है। हमें लगा कि हम नियंत्रण में हैं, लेकिन टीम वापसी करने में कामयाब रही। यह एक बहुत ही जटिल खेल था। उन्होंने कहा, उनके पास जीतने का एक आखिरी मौका था और सौभाग्य से मैं इसे अपने पैर से रोकने में सक्षम था।

दूसरे टेस्ट के लिए विराट ने नेट अभ्यास किया

नई दिल्ली । टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ यहां 22 दिसंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अभ्यास शुरु दिया है। विराट का नेट्स में तैयारियों का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। विराट पहले टेस्ट में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये थे। ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना बना रहेगा। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने 188 रनों से बड़ी जीत दर्ज की पर दोनो ही पारियों में विराट रन नहीं बना पाये थे। वह पहली पारी में एक रन जबकि बनाकर आउट हुए थे। दूसरी पारी में विराट ने 19 रन बनाये थे। बांग्लादेश के खिलाफ हालांकि तीसरे एकदिवसीय में विराट ने 91 गेंदों में 113 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 2 छक्के लगाये थे। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में विराट के नाम अब तब कुल 72 शतक हैं। विराट ने इससे पहले एशिया कप टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ शतक लगाया था।

नये साल की शुरुआत में वापसी करेंगे बुमराह

जडेजा को पहले साबित करनी होगी फिटनेस

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी तरह ठीक को गये हैं और नये साल की शुरुआत में वह भारतीय टीम में वापसी करेंगे हालांकि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वापसी में अभी समय लगेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल में ही बुमराह ने नेट अभ्यास का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा बुमराह तेजी से उबर रहे हैं उन्होंने अभ्यास शुरु किया है और वह शीघ्र ही खेलने के लिए भी फिट हो जाएंगे। साथ ही कहा कि उन्हें श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में अवसर दिये जाने का फैसला चयनसमिति करेगी पर जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं उसे देखते हुए यह समझा जा सकता है कि श्रीलंका के खिलाफ वह खेल सकते हैं। वहीं अगर वह इस सीरीज में शामिल नहीं किये गये तो उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ जरूर शामिल किया जाएगा। बुमराह काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। वह फिट नहीं होने के कारण ही एशिया कप में भी शामिल नहीं थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में उनकी वापसी हुई पर चोट बढ़ने के कारण वो टी20 विश्वकप से भी बाहर हो गये।

वहीं जडेजा को लेकर कहा कि आने वाले समय में उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिपोर्ट करने

के लिए कहा गया है। वो बांग्लादेश दौरे के लिए पूरी तरह से फिट नहीं थे। एक बार वो पूरी तरह से अभ्यास करेंगे तभी पता चल पाएगा की उनकी फिटनेस कैसी है।

फीजियो उनकी चोट को देखने के बाद उसकी वापसी पर कोई फैसला करेंगे। अभी से उनके श्रीलंका या न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने को लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता। भारत को तीन जनवरी से घरेलू जमीन पर श्रीलंका के खिलाफ पहले तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद दोनों देशों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। इसके बाद 18 जनवरी से भारत-न्यूजीलैंड के बीच घरेलू सीरीज खेली जाएगी।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से भी बाहर हुए रोहित

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भी नहीं खेलेंगे। ऐसे में इस मैच में भी लोकेश राहुल ही कप्तानी करेंगे। रोहित बांग्लादेश में दूसरे एकदिवसीय में चोटिल होने के बाद से ही इलाज के लिए स्वदेश लौट गये थे। उनके अंगूठे में लगी चोट अभी तक ठीक नहीं हुई है। इस कारण टीम प्रबंधन उन्हें शामिल करने का खतरा नहीं उठाना चाहता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेडिकल टीम ने रोहित की जांच के बाद किसी तरह का जोखित नहीं लेने का फैसला किया है। वह हालांकि अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज में खेल सकते हैं। इस सीरीज की शुरुआत अगले साल की शुरुआत में 3 जनवरी से होगी। रोहित के नहीं खेलने के कारण अब दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में बदलाव की कोई संभावना नहीं हैं। पहले टेस्ट में शतक लगाने वाले शुभमन गिल और चैत्तश्वर पुजारा टीम का हिस्सा बने रहेंगे। दूसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया मीरपुर पहुंच गयी है। दूसरा टेस्ट 22 दिसंबर से शुरू होना है। टीम इंडिया पहले टेस्ट में मिली शानदार जीत के साथ ही इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। ऐसे में उसका लक्ष्य दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज अपने नाम करना रहेगा।

फीफा विश्व कप जीतने पर अर्जेंटीना को 347 करोड़ रुपए की इनामी राशि मिली

उपविजेता फ्रांस को मिले 248 करोड़ रुपए

नई दिल्ली । फीफा विश्वकप जीतने पर अर्जेंटीना को 300 करोड़ रुपये से अधिक की इनामी राशि मिली है। अर्जेंटीना ने इसी के साथ ही तीसरी बार विश्वकप जीता है। उसके कप्तान और स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी का इसी के साथ ही विश्वकप जीतने का सपना भी पूरा हो गया। अर्जेंटीना ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस को पैनाल्ट शूटआउट में 4-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। विश्वकप जीतने पर अर्जेंटीना की टीम को तकरीबन 347 करोड़ रुपए की इनामी राशि मिली है। फीफा विश्वकप चैंपियन को 18 कैरेट सोने की ट्रॉफी भी मिली। इसकी कीमत 144 करोड़ रुपए और वजन करीब 6 किग्रा है। वहीं उपविजेता फ्रांस की टीम टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रही। उसे ईनाम के तौर पर लगभग 248 करोड़ रुपए मिले। विश्वकप टूर्नामेंट की कुल इनाम राशि 3640 करोड़ रुपए थी। वहीं तीसरे स्थान पर रही क्रोएशिया की टीम को लगभग 223 करोड़ रुपए जबकि चौथे नंबर पर रहने वाली मोरक्को की टीम को लगभग 206 करोड़ रुपए दिए गए हैं। 5वें से 8वें स्थान तक रहने वाली टीम को करीब 140 करोड़ रुपए मिले। वहीं 9 से 16वें स्थान पर रहने वाली टीमों को लगभग 106 जबकि 17वें 32 नंबर पर रहने वाली टीमों को 73 करोड़ रुपए मिले। इस प्रकार टी20 विश्व कप की चैंपियन टीम को 32वें नंबर पर रहने वाली टीम से भी कम इनामी राशि मिली है।

सिडनी टेस्ट के बाद लंबे प्रारूप से संन्यास लेने पर विचार करें वार्नर: ओडोनेल

नई दिल्ली,

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी साइमन ओडोनेल का मानना है कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिडनी में तीसरे टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। वार्नर ने जनवरी 2020 के बाद से एक भी टेस्ट शतक नहीं बनाया है और घरेलू सीजन में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह पारियों में 5, 48, 21, 28, 0 और 3 रन बनाए हैं। पिछले दो साल में उनका टेस्ट औसत सिर्फ 27 का है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह सिडनी टेस्ट के बाद संन्यास पर विचार कर रहे होंगे और संभवतः (रिटायर) हो जाना चाहिए। हम पिछली कुछ पारियों में डेविड वार्नर के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, हम पिछले दो वर्षों में डेविड वार्नर के बारे में बात कर रहे हैं। वह पहले जैसा खिलाड़ी नहीं रहे हैं। ओडोनेल ने एसईएन ब्रेकफास्ट पर कहा, यह मुझे इंगित करता है कि अगर डेविड ने फिर से फॉर्म पाया, तो यह लंबे समय तक नहीं रहने वाला है। हमारी टीम में लंबे समय तक ऐसा बल्लेबाज नहीं चाहिए, जो फॉर्म में ना हो। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ब्रिस्बेन टेस्ट में, वार्नर ने तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा द्वारा दो बार आउट होने के दौरान सिर्फ 0 और 3 रन बनाए। ओडोनेल ने कहा, वह आउट होने के बाद खुद से काफी नाराज थे, ड्रेसिंग रूम में भी उनकी आवाज साफ सुनी जा सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ब्रिस्बेन टेस्ट में, वार्नर ने तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा द्वारा दो बार आउट होने के दौरान सिर्फ 0 और 3 रन बनाए।

मेसी ने विश्वकप जीत के साथ ही रोनाल्डो से तुलना को समाप्त किया

दोहा। फीफा विश्कप 2022 में अर्जेंटीना को जीत दिलाने के साथ ही उसके कप्तान लियोनेल मेसी ने साबित कर दिया है कि वह इस दौर के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर हैं। इसके अलावा मेसी ने श्रेष्ठता को लेकर पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से हो रही तुलना भी समाप्त कर दी। रोनाल्डो अपने करियर में एक बार भी विश्वकप नहीं जीत पाये हैं। प्रशंसकों पिछले काफी समय से रोनाल्डो और मेसी की तुलना में लगे थे। कोई रोनाल्डो जबकि कोई मेसी को बेहतर बताता था। इस बार खिताबी मुकाबले में फ्रांस पर जीत के साथ ही अर्जेंटीना ने तीसरी बार विश्वकप ट्रॉफी जीती है।उसने इससे पहले 19 78 और 1986 में इस खिताब पर कब्जा किया था। 1986 विश्वकप की जीत के हीरो डियोगो मैराडोना जबकि अबकी बार के मेसी हैं। वहीं उपविजेता टीम फ्रांस का तीसरी बार विश्वकप जीतने का सपना टूट गया। फ्रांस ने साल 2018 में भी खिताब जीता था। इस तरह उसके पास लगातार दो बार खिताब जीतने का मौका था जो पूरा नहीं हो पाया। विश्वकप जीत में प्रदर्शन के आधार पर मेसी ने साबित कर दिया है कि वह इस सदी के सबसे बेहतर फुटबॉलर हैं। इंग्लैंड के दिग्गज पूर्व फुटबॉलर गैरी लिनेकर ने ट्वीट किया 'क्या अब भी कोई बहस बाकी है। अब भी किसी को ग्रेट ऑफ ऑल टाइम यानी को लेकर कोई संदेह है। पैसा और प्रसिद्धि के मामले में रोनाल्डो ओर मेसी दोनों ही आसपास हैं पर अब विश्व कप जीतने के साथ ही मेसी ने उपलब्धियों के मामले में रोनाल्डो को काफी पीछे छोड़ दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।

ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वालीं ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं।

कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड-19 से लड़ रहे देशों में ई-लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बाबजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दारोमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं।

अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर- विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं.

सवाल पूछने दें - रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें।

लक्ष्य तय करें - हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें।

री-डू सिखाएं - घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी।

ऑनलाइन मदद - पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाते समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे - बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं।

स्कूल वापसी - इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा।

तकनीक सीखें - ई-लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।

नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारों खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ.जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे-धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटीशियन डॉ.हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त-दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टरी सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।'

विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नीबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो लत है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं। बदलें खाना पकाने का तरीका कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे-धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर देर-सबेर नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी-टू-ईट फूड और तरह-तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम-से-कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है,उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।

सुकून चाहती हैं तो वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित करें

अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रहीं। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी

स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मैट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अड्टयस्त बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेंटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाड्टाविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना बोलने का अड्टयास करें।

काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिम हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते-ड्टागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना ड्टी स्वाड्टाविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देंगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा-बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।

एलन मस्क ने ट्विटर के सीईओ का पद छोड़ने पर कराया पोल, ये आया जवाब

लंदन। एलन मस्क और उनका ट्विटर ड्रामा कभी खत्म नहीं होने वाला लगता है। मस्क ने ट्विटर का सहारा लेते हुए एक पोल के जरिये उपयोगकर्ताओं से पूछा कि क्या उन्हें कंपनी के प्रमुख के रूप में पद छोड़ना चाहिए। मस्क ने विकल्पों के लिए हां और नहीं का ऑप्शन दिया। वोटिंग समाप्त हो गया है और परिणाम आ गया है। पोल के अनुसार, ट्विटर उपयोगकर्ता चाहते हैं कि मस्क ट्विटर प्रमुख के पद से हट जाएं। लगभग 57.5 प्रतिशत ट्विटर उपयोगकर्ताओं ने मस्क के पद छोड़ने के लिए मतदान किया, जबकि 42.5 प्रतिशत अभी भी चाहते हैं कि वह कंपनी का नेतृत्व करें। 1.7 करोड़ से अधिक ट्विटर यूजर्स ने पोल में अपने विचार साझा किए। अब, सवाल यह है – क्या मस्क वास्तव में कंपनी के प्रमुख के रूप में पद छोड़ देंगे, या पोल सिर्फ एक और पब्लिसिटी स्टंट है । इसका पता तो आने वाले वक्त में ही चलेगा। मस्क वर्तमान में बोर्ड के एकमात्र सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं और उनके नेतृत्व में ट्विटर पर सभी टीमों की बारीकी से निगरानी भी कर रहे हैं। अरबपति ने अक्टूबर में ट्विटर बॉस का पदभार संभालते ही अधिकांश शीर्ष अधिकारियों को निकाल दिया, जिनमें पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल, कानूनी प्रमुख विजय गड्डे और कई अन्य शामिल थे। अग्रवाल को सीईओ के पद से हटाने के तुरंत बाद मस्क ने कहा था कि वह ट्विटर के 卐अस्थायी सीईओ卐 के रूप में तब तक काम करेंगे जब तक कि उन्हें कोई प्रतिस्थापन नहीं मिल जाता। बाद में मस्क ने कहा कि वह ट्विटर के लिए नए सीईओ की तलाश कर रहे हैं। अब इन घटनाओं को देखते हुए माना जा रहा है कि मस्क ट्विटर के सीईओ का पद संभालने के लिए अपने किसी करीबी को पाते ही ट्विटर प्रमुख के पद से हट जाएंगे। ऐसा लगता है कि मस्क को अभी भी ट्विटर के सीईओ पद के लिए कोई नहीं मिला है।

दानी हिसवानी ने सिर पर 9 फीट ऊंची हेयरस्टाइल बनाकर बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

दुबई । फेमस हेयरस्टाइलिस्ट दानी हिसवानी का नाम सबसे ऊंचा हेयरस्टाइल बनाने के कारण गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। हिसवानी ने दुबई में क्रिसमस ट्री के आकार में 9 फीट 6.5 इंच लंबा हेयरस्टाइल बनाया है ।इस हेयरस्टाइल का वीडियो हाल ही में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया है। इस अनूठे हेयरस्टाइल की वजह से सोशल मीडिया पर लोग दानी को ट्रोल कर रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि महिला ने एक हेलमेट पहन रखा है। हेलमेट में तीन धातु के डंडे भी नजर आ रहे हैं। क्रिसमस ट्री जैसा हेयर स्टाइल करने के लिए दानी हिसवानी ने विग हेयर एक्सटेंशन का यूज किया। वहीं हेयरस्टाइल करते हुए बॉल्स का भी उपयोग किया। वीडियो का कैप्शन है दानी हिसवानी द्वारा बनाया गया सबसे ऊंचा हेयरस्टाइल-9 फीट 6.5 इंच। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मुताबिक दानी फैशन की दुनिया में पिछले सात साल से हैं। खुद दानी हेयरस्टाइलिंग को पेशा न मानते हुए एक कला के तौर पर देखते हैं। दानी ने इससे पहले एक महिला के सिर पर हेयरस्टाइलिंग करते हुए एक छोटा क्रिसमस ट्री बनाया था इस बार उन्होंने सबसे ऊंचा हेयरस्टाइल बनाने का चैलेंज लिया। वीडियो को इंस्टाग्राम पर 3 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। हालांकि कई इंटरनेट यूजर्स इस रिकॉर्ड और हेयरस्टाइल को देखकर खुश नजर नहीं आए। एक यूजर ने लिखा कि यह हेयरस्टाइल नहीं हैं बल्कि यह हेडड्रेस है। एक तीसरे यूजर ने लिखा कि हेयरस्टाइल में तो महिला के खुद के बालों का उपयोग होना चाहिए था इस तरह गिनीज रिकॉर्ड बन जाना तो पूरी तरह बिजनेस कॉन्सपेप्ट को दिखाता है।

पाक : उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में आतंकवादी हमले में चार पुलिसकर्मियों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक नवनिर्मित पुलिस थाने पर हुए आतंकवादी हमले में कम से कम चार पाकिस्तानी पुलिसकर्मी मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दक्षिण वजीरिस्तान कबाइली जिले की सीमा से लगे लकी मारवात स्थित बरगई पुलिस थाने पर आतंकवादियों ने हमला किया। आतंकवादियों के पास हथगोले और रॉकेट लांचर सहित अन्य घातक हथियार थे। पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद संदिग्ध आतंकवादी मौके से फरार हो गए। संदिग्धों को पकड़ने के लिए पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री महमूद खान ने हमले को कायरतापूर्ण कृत्य बताया और प्रांतीय पुलिस प्रमुख से तत्काल रिपोर्ट मांगी। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने भी शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और हमले की निंदा करते हुए कहा, 卐आतंकवाद के पूरी तरह से सफाये तक हमारे प्रयास जारी रहेंगे।卐 हालांकि, किसी भी समूह ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली। जिले में पुलिसकर्मियों पर हुए पिछले हमलों की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने ली है।

ब्रिटेन में एंबुलेंस चालकों की हड़ताल भेजे जाएंगे 1200 सैनिक

लंदन । ब्रिटिश सरकार ने कहा कि एंबुलेंस चालकों और अन्य कर्मियों की प्रस्तावित हड़ताल के मद्देनजर वह 1200 जवानों को तैनात करेगी। ब्रिटेन में आगामी क्रिसमस से पहले के हफ्ते में कई सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन काम से दूर रहेंगे। एंबुलेंस चालकों की हड़ताल बुधवार को प्रस्तावित है जिसमें नर्स रेलवे स्टाफ पासपोर्ट अधिकारी और डाककर्मी शामिल हो रहे हैं। ब्रिटेन में दशकों की इस सबसे अधिक असरदार हड़ताल की लहर को खाद्य पदार्थों और ऊर्जा कीमतों की बढ़ती कीमत के कारण उपजे गुजर-बसर संकट के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन पर रूस के हमले के मद्देनजर महंगाई बढ़ी है। इससे पहले अक्टूबर में हड़ताल के कारण 417000 कार्य दिवस का नुकसान हुआ जो एक दशक में सर्वाधिक संख्या है। कर्मचारी यूनियन महंगाई के अनुरूप वेतन में बढ़ोतरी की मांग कर रही हैं जो नवंबर में 10.7 फीसदी थी। हालांकि महंगाई दर अक्टूबर में 11.1 फीसदी पर पहुंच गई थी जो 40 सालों में सर्वाधिक है। नर्सों और एंबुलेंस चालकों ने कहा कि हड़ताल के दौरान वे अभी आपतकालीन सेवाओं में सहयोग कर रहे हैं।

स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के चलते पोप फ्रांसिस ने लिखा था त्यागपत्र

– पोप फ्रांसिस 86 वर्ष के हो गए उन्होंने 2021 में आंत से जुड़ी समस्या के लिए सर्जरी कराई थी

रोम । पोप फ्रांसिस ने हाल ही में एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि 2013 में पोप चुने जाने के ठीक बाद उन्होंने त्यागपत्र लिखा था ताकि स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के कारण अपने कर्तव्य के निर्वहन में बाधा आने की स्थिति में वह पद छोड़ सकें। स्पेन के एक अखबार से फ्रांसिस ने कहा कि उन्होंने कार्डिनल तारकिसियो बर्टोन को यह नोट दिया था जो उस समय वेटिकन के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट थे। पोप ने कहा कि वह मानते हैं कि वर्तमान में वेटिकन के नंबर 2 की भूमिका में कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन के पास यह लिखित निर्देश मौजूद है। वेटिकन का सेक्रेटरी ऑफ स्टेट आम तौर पर राजनीतिक और कूटनीतिक दायित्वों का निर्वहन करने वाले व्यक्ति को कहा जाता है। पोप फ्रांसिस 86 वर्ष के हो गए। उन्होंने 2021 में आंत से जुड़ी समस्या के लिए सर्जरी कराई थी। घुटने के दर्द से परेशानी के कारण महीनों तक उन्हें व्हीलचेयर का इस्तेमाल करते देखा गया था। हालिया दिनों में उन्होंने सार्वजनिक रूप से घूमने के लिए व्हीलचेयर के बजाय बेंत का इस्तेमाल किया।

पोप ने कहा कि मैंने पहले ही अपने त्यागपत्र पर हस्ताक्षर कर दिया है। उन्होंने कार्डिनल बर्टोन को भेजे त्यागपत्र में कहा कि मैंने इस पर हस्ताक्षर किए हैं यदि मैं चिकित्सा कारणों से या किसी भी कारण से अस्वस्थ हो जाता हूं तो यह मेरा इस्तीफा है। बर्टोन अक्टूबर 2013 में सेक्रेटरी ऑफ स्टेट पद से हट गए थे। उस समय फ्रांसिस को पोप बने एक महीना ही हुआ था। फ्रांसिस ने कहा कि उन्हें यकीन है कि बर्टोन ने पत्र को वर्तमान सेक्रेटरी ऑफ स्टेट पारोलिन को भेज दिया होगा। इससे पहले फ्रांसिस ने अपने पूर्ववर्ती पोप बेनेडिक्ट सोलहवें की सराहना की थी क्योंकि उन्होंने बढ़ती उम्र के कारण इस्तीफा देते हुए कहा था कि वह अपने दायित्वों का सही तरीके से निर्वहन नहीं कर पाएंगे। बेनेडिक्ट पिछले 600 साल में इस्तीफा देने वाले पहले पोप थे। वह वेटिकन में ईसाई मठ में रहते हैं। बेनेडिक्ट के इस्तीफे से फ्रांसिस के पोप बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ था जो दक्षिण अमेरिका से पहले पोप हैं।

यूनान के एथेंस में क्रिस्मस ट्री पर परियों की वेशभूषा में नजर आयीं दो लड़कियां।

नोबेल विजेता डेविड बीसले संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम प्रमुख से इस्तीफा देंगे

रोम । नोबेल पुरस्कार जीतने वाले संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक डेविड बीसले ने कहा कि वह दुनिया के सबसे बड़े मानवीय संगठन का छह साल तक नेतृत्व करने के बाद इस्तीफा देंगे। कार्यक्रम को दो साल पहले शांति के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य बीसले 1995 से 1999 तक साउथ कैरोलाइना के गवर्नर रह चुके हैं। एक बयान में बीसले ने कहा कि वह अप्रैल 2023 में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा कि इस पद पर काम करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा आनंद और सबसे ज्यादा सिरदर्द वाला काम रहा। सरकारों और लोगों की उदारता के कारण हमने लाखों लोगों को भोजन मुहैया कराया लेकिन वास्तविकता यह है कि हम सभी को भोजन मुहैया नहीं करा पाए और समृद्ध विश्व में भुखमरी की समस्या बनी हुई है। बीसले को 2017 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पद पर नियुक्त किया था। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने भूख से लड़ने और ऐसे वक्त में युद्ध तथा संघर्ष के हथियार के रूप में इसके इस्तेमाल को खत्म करने की कवायद के लिए 2020 में नोबेल शांति पुरस्कार जीता था जब कोरोना वायरस संक्रमण ने भुखमरी के हालात और बदतर कर दिए थे।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक क्रिसमस हड़ताल से निपटने के लिए सैनिकों का इस्तेमाल करेंगे

लंदन(एजेंसी)। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रविवार को क्रिसमस की छुट्टियों में हड़ताल करके लाखों लोगों को कष्ट देने के लिए ट्रेड यूनियनों की अलोचना की। ब्रिटेन में हड़ताल का आयोजन अगले कुछ हफ्तों के दौरान किया जाना प्रस्तावित है। ब्रिटेन की सरकार ने हड़ताली कर्मियों की भरपाई के लिए 1200 जवानों को तैनात करने की योजना का ऐलान किया है ताकि जरूरी सेवाएं जारी रहें। प्रस्तावित हड़ताल में भाग लेने वालों में रेलवे कर्मी, स्वस्थ्यकर्मी, सीमा सुरक्षा स्टाफ शामिल है। यूनियनें वेतन बढ़ाने और काम की दशाएं अच्छी करने की मांग कर रही हैं।

'द सन ऑन संडे' में रविवार को सुनक ने एक लेख में कहा कि कर्मचारियों को एक उचित और किफायती प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने यूनियनों पर 'वर्ग संघर्ष' शुरू करने का आरोप लगाया। सुनक ने लिखा, '' यूनियन क्रिसमस को लक्ष्य करके खासकर गलत समय पर ट्रांसपोर्ट हड़ताल से लाखों लोगों को पीड़ित कर रही हैं।'' सरकार ने यूनियन को बार-बार आगाह किया है कि वेतन में भारी बढ़ोतरी की उनकी मांग को मानने से ब्रिटेन मुद्रास्फीति के भंवर में फंस जाएगा जिसका सबसे गरीब लोगों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल लेबर ने भी माना है कि यूनियन की मांग पूरी नहीं की जा सकती। सुनक ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ कर रहे हैं कि लोगों को क्रिसमस पर वह मिल सके जिसके वे हकदार हैं। सेना आगे आई है और सेवाओं को यथा संभव जारी रखने के लिए हम अन्य उपायों को अपना रहे हैं।'' इस बीच कई यूनियन के प्रमुखों ने आगाह किया है कि सेना एंबुलेंस चलाने या देश की सीमा की रक्षा करने के लिए पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं है और उन्हें इस 'मुश्किल' स्थिति में नहीं डालना चाहिए। इस बीच नर्सों ने धमकी दी है कि यदि मंत्रियों ने अगले हफ्ते के बहिष्कार के बाद 48 घंटों में समाधान नहीं ढूंढ़ा तो नये साल में और व्यापक पैमाने पर हड़ताल की जाएगी। एंबुलेंस चालकों की हड़ताल बुधवार को प्रस्तावित है जिसमें नर्स, रेलवे स्टाफ, पासपोर्ट अधिकारी और डाककर्मी शामिल हो रहे हैं।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी के प्रमुख ने कहा पीएम मोदी की सलाह का असर राष्ट्रपति पुतिन पर दिख रहा

वाशिंगटन(एजेंसी)। केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के प्रमुख विलियम बर्न्स ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर चिंता जाहिर करने का रूस पर असर पड़ा है। बर्न्स ने कहा कि उन्हें लगता है कि (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन और उनके आसपास के लोगों ने डराने के लिए परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी।

एक साक्षात्मकार में सीआईए के निदेशक ने कहा कि अमेरिका ने रूसियों को यह स्पष्ट कर दिया है कि उसके (परमाणु खतरे के) गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि शी और पीएम मोदी का परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर चिंता जाहिर करने का भी काफी फायदा हुआ है। मुझे लगता है कि इसका रूस पर भी असर पड़ा है।''

ज्वाइंट चीफ्स के प्रमुख जनरल मार्क मिले की सर्दियों में रूस और यूक्रेन के बातचीत करने के संदर्भ में की गई टिप्पणी पर बर्न्स ने कहा अधिकतर संघर्ष बातचीत से ही समाप्त होते हैं लेकिन इस संदर्भ में रूस के गंभीरता दिखाने की जरूरत है जो मुझे नहीं लगता कि हमें अभी तक नजर आई है।''

रूस और चीन के बीच सहयोग को लेकर उत्पन्न चिंता के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा मेरा मानना है कि शी और पुतिन के बीच हाल के वर्षों में काफी गहरी साझेदारी बनी है। उन्होंने कहा वास्तव में इस साझेदारी की कुछ सीमाएं हैं कम से कम राष्ट्रपति शी की पुतिन को उस तरह की सैन्य सहायता प्रदान करने की अनिच्छा के संदर्भ में जो उन्होंने यूक्रेन में युद्ध के दौरान मांगी थी।''

यांग्त्से में चीन से भिडंत के बाद तवांग मठ के भिक्षुओं ने किया भारत का समर्थन कहा यह 1962 नहीं 2022 है

तवांग (एजेंसी)। तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच यांग्त्से में झड़प के बाद बाद प्रसिद्ध तवांग मठ के भिक्षुओं की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। तवांग मठ के भिक्षुओं ने चीन को आगाह करते हुए कहा कि यह 1962 नहीं बल्कि 2022 है और भारत में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार है।

तवांग मठ के भिक्षु लामा येशी खावो ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी को नहीं बख्शेंगे। हम मोदी सरकार और भारतीय सेना का समर्थन करते हैं। 17वीं शताब्दी के मठ में उपस्थित सभी लोगों की चिंताओं को व्यक्त करते हुए भिक्षु ने कहा कि 1962 में एशियाई दिग्गजों के बीच संघर्ष भी हमने देखा है।

लामा येशी खावो ने कहा कि चीनी सरकार हमेशा अन्य देशों के क्षेत्रों पर नजरें गड़ाए रहती है यह पूरी तरह से गलत है। लामा येशी खावो ने कहा कि वह भारतीय भूमि पर भी नजर रखते हैं। चीनी सरकार गलत है। अगर वे दुनिया में शांति चाहते हैं तो उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। अगर वे वास्तव में शांति चाहते हैं तो उन्हें किसी को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा उन्हें वर्तमान भारत सरकार और भारतीय सेना पर पूरा भरोसा है जो तवांग को सुरक्षित रखने में पूरी तरह सक्षम है।

तवांग मठ के भिक्षु येशी खावो ने कहा कि 1962 में हुए युद्ध के दौरान इस मठ के भिक्षुओं ने भारतीय सेना की मदद की थी। चीनी सेना भी मठ में घुस गई थी लेकिन उन्होंने किसी को चोट नहीं पहुंचाई। पहले तवांग तिब्बत का हिस्सा था और चीनी सरकार ने तिब्बत की जमीन पर कब्जा कर लिया था। चीनी सरकार का दावा है कि तवांग भी तिब्बत का हिस्सा है लेकिन तवांग भारत का अभिन्न अंग है। हमें चिंता नहीं है क्योंकि भारतीय सेना सीमा पर है। हम यहां शांति से रह रहे हैं।

भिक्षु ने कहा कि तवांग मठ 1681 में बनाया गया था जो एशिया का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे पुराना मठ है। इसे 5वें दलाई लामा की मंजूरी के बाद बनाया गया था। छठे दलाई लामा का जन्म तवांग में हुआ था। हमें 5वें और छठे दलाई लामा का आशीर्वाद प्राप्त हैं। वर्तमान में तवांग मठ में लगभग 500 भिक्षु हैं। मठ के परिसर और गुरुकुल में 89 छोटे घर हैं। इसके अलावा यहां बौद्ध धर्म दर्शन के साथ-साथ सामान्य शिक्षा भी प्रदान की जाती है।

आप चीन-यूक्रेन में फंसे रह गए इधर खतरनाक मकसद में कामयाब हो गए किम, हाथों में सिगरेट, चेहरे पर मुस्कान और बैकग्राउंड में उठता धुंआ

सयोल (एजेंसी)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अक्सर अपने अंदाज के लिए सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उनकी एक तस्वीर सामने आई है। जिसमें तानाशाह एक अलग ही अंदाज में नजर आ रहे हैं। किम जोंग उन की हाथ में सिगरेट लिए मुस्कुराते हुए तस्वीर सामने आई है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि कैसे नई मिसाइल के परीक्षण के दौरान किम जोंग हंसते हुए नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार किम की ये तस्वीर इस हफ्ते की शुरुआत में एक नए स्ट्रैजिक वेपन के लिए हाई-थ्रस्ट सॉलिड-फ्यूल मोटर के टेस्टिंग के दौरान ली गई थी। ये परीक्षण उत्तर कोरिया के मिसाइल के लिए इतना महत्वपूर्ण था कि इसे देखने खुद किम पहुंचे थे। परीक्षण के सफल होते ही किम हंस पड़े।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने एक बार फिर से अपने खतरनाक मंसूबे को अंजाम दिया है। उत्तर कोरिया ने जासूसी सैटेलाइट के अंतिम चरण का परीक्षण कर लिया। इस परीक्षण से जापान और दक्षिण कोरिया के लिए बड़ा खतरा उत्तपन्न हो गया है।

इस परीक्षण का मकसद पड़ोसी देशों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखना है। इतना ही नहीं किम जोंग इस सैटेलाइट की लॉन्चिंग अप्रैल 2023 तक पूरा करना चाहते हैं। यह रिपोर्ट दक्षिण कोरियाई और जापानी सेनाओं द्वारा अपने पूर्वी तट की ओर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों की लॉन्चिंग के बाद आई है। ये उत्तर कोरिया के लिए अपनी तरह का अलग परीक्षण है। उन्होंने उत्तर कोरियाई सेना का हौसला बढ़ाते हुए हर वक्त युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा है। किम जोंग उन ने सेना के अधिकारियों को एक साथ युद्ध के कई मोर्चों पर प्लान बनाने को कहा। वहीं सफल परीक्षण के बाद आशंका जताई जा रही है कि उत्तर कोरिया का मिसाइल प्रोग्राम और तेज हो सकता है।

प्रचंड ने देउबा से मिलकर नेपाल का प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई: रिपोर्ट

– दोनों नेताओं ने सत्तारूढ़ गठबंधन को आगे ले जाने के तौर तरीकों और नयी सरकार के गठन पर चर्चा की

लाहौर (एजेंसी)। कांठमांडू (ईएमएस)। सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात की और देश का अगला प्रधानमंत्री बनने की कथित तौर पर इच्छा जताई है। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने सत्तारूढ़ गठबंधन को आगे ले जाने के तौर तरीकों और नयी सरकार के गठन पर चर्चा की। हाल ही में हुई बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों को अपना दावा पेश करने के लिए बुलाने पर विचार कर रही हैं। राष्ट्रपति भंडारी के प्रेस विशेषज्ञ टीका ढकाल ने बताया ?कि राष्ट्रपति ने अभी तक कोई विशेष दिन निर्धारित नहीं किया है। हालांकि वह बहुत जल्द राजनीतिक दलों को दावा पेश करने के लिए बुलाएंगी। किसी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत के लिए 275 सदस्यीय हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 138 सीट की जरूरत है लेकिन किसी भी पार्टी के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में सीट नहीं है। सत्तारूढ़ गठबंधन के पास सीट सदन में बहुमत के आंकड़े के आसपास है लेकिन अब भी इस बारे में फैसला नहीं हुआ है कि मंत्रिमंडल का नेतृत्व कौन करेगा।

देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस (एनसी) नवंबर में हुए चुनाव में 89 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। सत्तारूढ़ गठबंधन के अन्य सहयोगियों ने मिलकर 47 सीट हासिल की है। इनमें सीपीएन-माओइस्ट सेंटर (32) सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट (10) लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (4) और राष्ट्रीय जनमोर्चा का एक सदस्य है। नवगठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने भी सरकार गठन में नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले पांच दलों के गठबंधन को समर्थन देने की पेशकश की है। 20 नवंबर को हुए चुनाव में आरएसपी 20 सीट के साथ चौथी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता प्रकाश शरण महत ने कहा कि प्रचंड ने प्रधानमंत्री देउबा के साथ बैठक में पांच वर्षीय कार्यकाल के शुरूआती ढाई साल के लिए नेपाली कांग्रेस से प्रधानमंत्री बनने के लिए औपचारिक रूप से समर्थन मांगा। नेपाल में 20 नवंबर को हुए चुनाव से पहले गठबंधन बनाते समय देउबा और प्रचंड ने कथित तौर पर बारी-बारी से सरकार का नेतृत्व करने के लिए एक समझौता किया था।

महत ने कहा कि यह अधिक स्वाभाविक होगा कि चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी नेपाली कांग्रेस सरकार का नेतृत्व करे। खबर के अनुसार यह पूछे जाने पर कि क्या प्रचंड ने नया प्रधानमंत्री बनने के लिए देउबा से समर्थन मांगा है सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के नेता नारायण काजी श्रेष्ठ ने कहा कि उन्होंने देउबा से जानना चाहा है कि वह कैसे आगे बढ़ना चाहते हैं। इस पर देउबा ने जवाब दिया कि गठबंधन के सभी सहयोगियों को अपने संबंधित संगठनों के भीतर फैसला करना चाहिए।

आ रहा नया साल.... फिर होगा 2019 जैसा हाल? चीन के अस्पतालों में लाशों का लगा अंबार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन जितने धोखा देने में माहिर है उतना ही सच छुपाने में भी उस्ताद है। तवांग झड़प के चीन के इसी छल का सबूत है। आखिर क्यों चीन ने एलएसी पर भारत से बैर बढ़ाया। इसका कारण है चीन में तेजी से फैलता कोराना। पूरी दुनिया चीन में कोरोना विस्फोट की आशंका जता रही है। कई विशेषज्ञों का दावा है कि चीन में हालात 2019 से भी बदतर हैं। वहीं चीन के अस्पतालों के हालात भी कुछ वैसे ही नजर आ रहे हैं जैसे की कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भारत में देखने को मिले थे। मरीजों की संख्या इतनी हो गई है कि उन्हें जमीन पर लिटाना पड़ रहा है।

जा सकती है 20 लाख लोगों की जान

ये तो कुछ भी नहीं है। अमुमान है कि चीन में कोरोना से 20 लाख लोगों की मौत हो सकती है। इसके अलावा 80 करोड़ लोग संक्रमित हो सकते हैं। पूर्वोत?तर चीन में अस?पतालों में लाशों का अंबार लग गया है लेकिन सरकार उसे छिपाने में जुट गई है। वहीं स्वास्थ्य अधिकारी की माने तो चीन इस सर्दी में कोविड संक्रमण की तीन संभावित लहरों में से पहली लहर का अनुभव कर रहा है।

शवदाहगृह पर बढ़ा दवाब

चीन में एक बार फिर से भयावह हालात है। ये हालात बता रहे हैं कि वहां कोविड एक बार फिर से चरम पर है। चीन में कोविड से बढ़ती मौतों के बाद शवदाह गृहों पर काफी दवाब बढ़ गया है। बीजिंग के 2 फ्यूनरल होम्स 24 घंटे ऑपरेट हो रहे हैं। एक दिन में 20-20 शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। फ्यूनरल होम के 10 में से सात स्टॉफ कोविड पॉजिटिव होने के बावजूद काम में जुटे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू-कश्मीर में तेजी से भरे जा रहे हैं खाली पद, रोजगार मेलों के जरिये भी मिल रही हैं नौकरियां

जम्म। जम्मू-कश्मीर में बदले माहौल में सरकारी विभागों में तो लोगों को नौकरियां मिल ही रही हैं साथ ही युवाओं को स्वरोजगार के भी अनेकों अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न जिलों में रोजगार मेलों के माध्यम से भी युवाओं की रुचि के अनुसार रोजगार के मौके दिये जा रहे हैं। साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न जगहों पर कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से भी युवाओं के हुनर को निखारा जा रहा है ताकि वह अपने पैरों पर खड़े हो सकें। जहां तक सरकारी नौकरियों की बात है तो आपको बता दें कि विभिन्न सरकारी विभागों में तीन साल में 15,000 से अधिक रिक्तियां भरी गईं हैं, जबकि 8,000 और पदों के लिए चयन प्रक्रिया जारी है। जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने हाल ही में यह जानकारी देते हुए यह भी बताया था कि भर्ती प्रक्रिया में देरी इसलिए भी हो जाती है क्योंकि जिनका चयन नहीं हो पाता या जो असंतुष्ट उम्मीदवार होते हैं उनकी ओर से अदालत में मुकदमे दायर कर दिये जाते हैं। एसएसबी अध्यक्ष राजेश शर्मा के मुताबिक पिछले साल के 9300 के आंकड़े के मुकाबले, इस साल विभिन्न सरकारी विभागों में 4500 पद भरे गये जिसमें से 3400 चतुर्थ श्रेणी के पद हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में कुल 1500 पद भरे गए थे। हम आपको बता दें कि दूसरे चरण में चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए चुने गए उम्मीदवारों को हाल ही में श्रीनगर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और जम्मू में मुख्य सचिव अरुण के मेहता की अध्यक्षता में विशेष 'रोजगार मेलों' में नियुक्ति पत्र सौंपे गए थे। इससे पूर्व, पहले चरण के तहत, 5000 से अधिक योग्य उम्मीदवारों को पिछले साल नियुक्ति पत्र दिए गए थे। एसएसबी अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि बोर्ड के पास 1600 कनिष्ठ सहायकों की सूची भी तैयार है। लेकिन, न्यायाधिकरण में लंबित मुकदमों के कारण इसे रोक दिया गया है।

पाक ड्रोन ने रात में 2 बार की घुसपैठ की कोशिश सुरक्षा बलों ने खदेड़ा

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक बार फिर पाकिस्तान की ड्रोन के जरिए ड्रग्स और हथियार भेजने की साजिश को नाकाम कर दिया है। पंजाब की अंतरराष्ट्रीय सीमा के अंदर घुसे पाकिस्तानी ड्रोन को जवानों ने गोलीबारी कर खदेड़ दिया। जानकारी के मुताबिक ड्रोन ने अलग अलग पोस्ट पर 2 बार घुसपैठ की कोशिश की। बीएसएफ ने यह जानकारी दी। बीएसएफ ने बताया कि रविवार देर रात पंजाब के गुरदासपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय क्षेत्र में 2 बार घुसपैठ की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी ड्रोन को जवानों ने गोलीबारी कर खदेड़ दिया। गश्त के दौरान गुरदासपुर सेक्टर के चंदू बटाला चौकी पर रविवार रात करीब 10.20 बजे पाकिस्तान की तरफ से आ रहे एक ड्रोन की गतिविधि देखी गई। इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने 26 राउंड ताबड़तोड़ गोलीबारी की और रोशनी करने वाले छह बम चलाए। बीएसएफ ने बताया कि इसके बाद रात 10.48 बजे गुरदासपुर सेक्टर में ही कसोवाल पोस्ट के पास एक बार फिर ड्रोन ने भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश की जिसे दोबारा बीएसएफ के जवानों ने गोलीबारी कर खदेड़ दिया। गोलीबारी के चलते ड्रोन फेंसिंग के ऊपर से ही पाकिस्तान की तरफ वापस चला गया। जवानों ने इस दौरान पाकिस्तानी ड्रोन पर तकरीबन 72 राउंड गोलीबारी की और 4 रोशनी करने वाले बम भी चलाए। घटना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई और इलाके में इस वक्त भी तलाशी अभियान चलाया गया। गुरदासपुर सेक्टर के डीआईजी प्रभाकर जोशी ने मौके का जायजा लिया और जवानों सहित स्थानीय नागरिकों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि देर रात से ही पूरे इलाके का सघन तलाशी अभियान सीमा सुरक्षा बल और पुलिस के साथ मिलकर किया जा रहा है। पिछले 2 दिनों में 3 बार पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि देखी गई है।

फीफा वर्ल्डकप में अर्जेंटीना की जीत के बाद केरल में कई जगह हिंसा युवक को चाकू मारा पुलिस जवानों पर हमला

त्रिवेंद्रम। कतर में 2022 फीफा विश्व कप में अर्जेंटीना की जीत के बाद केरल में जश्न ने अराजक मोड़ ले लिया। यहां दो गुटों के बीच देर रात जमकर हिंसा हुई। कुछ अराजक तत्वों ने पुलिस अधिकारियों पर भी हमला कर दिया। कन्नूर में एक व्यक्ति को चाकू मार दिया गया। हिंसा में कई फुटबॉल प्रशंसकों को गंभीर चोटें आई हैं। राज्य में कई जगहों से हिंसा और झड़प की घटनाएं सामने आई है। मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि कोच्चि के कलूर में एक सिविल पुलिस अधिकारी पर फुटबॉल प्रशंसकों ने उस समय हमला कर दिया जब पुलिस अधिकारी ने उनसे ट्रैफिक ब्लॉक करने से मना कर दिया। फुटबॉल प्रशंसक अर्जेंटीना की जीत का जश्न मनाते हुए सड़का पर थे। जब पुलिस अधिकारी ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन पर हमला कर दिया और उन्हें सड़क पर घसीटा भी गया। कन्नूर में अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच फाइनल मैच देखकर घर लौट रहे 24 वर्षीय अनुराग को 5 लोगों ने चाकू मार दिया। पल्लियामूला नेताजी आर्ट्स एंड स्पोर्ट्स क्लब के पास मैच की स्क्रीनिंग के बाद मारपीट हुई जहां अनुराग को छुरा घोंपा गया। इस हमले में अनुराग गंभीर रूप से घायल हो गया और वर्तमान में कन्नूर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। त्रिवेंद्रम में भी पुलिस अधिकारियों की पिटाई की घटना सामने आई है। इलाके में हंगामा कर रहे एक शराबी समूह को नियंत्रित करने की कोशिश में पोझियूर स्टेशन के सब इंस्पेक्टर घायल हो गए। दुनिया के अन्य हिस्सों से भी हिंसा की खबर सामने आई है।

दिल्ली में घने कोहरे से रेल, सड़क यातायात प्रभावित, दृश्यता घटकर 150 मीटर रह हुई

नयी दिल्ली। सर्दी के मौसम में दिल्ली में सोमवार को पहली बार घना कोहरा छाया रहा जिससे दृश्यता घटकर 150 मीटर रह गई और सड़क तथा रेल यातायात प्रभावित हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि करीब 20 ट्रेनें 15 मिनट से दो घंटे की देरी से चल रही हैं। उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा, 卐कोहरा आज ट्रेनों की आवाजाही को प्रभावित कर रहा है। हमने एहतियाती कदम उठाए हैं। ऐसी स्थितियों में गति प्रतिबंध लगाए गए हैं। सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। यात्रियों को घोषणाओं और अन्य माध्यमों से समय-सारणी के बारे में सूचित किया जा रहा है।' हालांकि, हवाईअड्डे के एक अधिकारी ने कहा कि उड़ान परिचालन प्रभावित नहीं हुआ क्योंकि कम दृश्यता प्रक्रिया (एलवीपी) आधी रात से करीब चार घंटे तक जारी रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि उपग्रहीय तस्वीरों में पंजाब से लेकर हरियाणा और दिल्ली होते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश तक फैले कोहरे की मोटी परत दिखाई दे रही है। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि पालम हवाईअड्डे पर सुबह साढ़े तीन बजे से छह बजे के बीच दृश्यता घटकर 150-200 मीटर रह गई और सुबह सात बजे तक यह सुधर कर 350 मीटर हो गई। मौसम कार्यालय ने सुबह-सुबह अमृतसर, पटियाला, बरेली, लखनऊ और बहराइच में दृश्यता स्तर 25 से 50 मीटर रहने की सूचना दी।आईएमडी ने अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में घने से बहुत घने कोहरे की भविष्यवाणी की है। आईएमडी के अनुसार, दृश्यता 0 और 50 मीटर के बीच 'बहुत घना', 51 और 200 'घना', 201 और 500 'मध्यम' और 501 और 1,000 'हल्का' कोहरा होता है। राजधानी के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

तेलंगाना कांग्रेस पर संकट के बादल, 12 सदस्यों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। तेलंगाना के 12 नेताओं ने हाल ही में गठित प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) से इस्तीफा दे दिया है। यह विकास, जो सोमवार की सुबह हुआ, कथित रूप से 卐प्रवासी卐 नेताओं को पार्टी के वरिष्ठ वफादारों के आगे पद दिए जाने के जवाब में है। इसने तेलंगाना में पार्टी नेताओं के बीच अंतर्कलह पैदा कर दी है। नेताओं ने अपने त्यागपत्र में दावा किया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव राज्य में तानाशाही शासन चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर को सत्ता से हटाने के लिए कड़े संघर्ष की जरूरत है। इस्तीफा देने वालों में तेलंगाना विधायक सीतक्का भी शामिल हैं। पत्र में आगे लिखा है कि लोकसभा सांसद उत्तम कुमार रेड्डी ने आरोप लगाया था कि नए पीसीसी सदस्यों में से 50 प्रतिशत से अधिक ऐसे नेता हैं जो हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी से पार्टी में शामिल हुए हैं। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि इसने उन नेताओं को निराश किया है जिन्होंने पिछले छह वर्षों से कांग्रेस के लिए काम किया है।

चीन को एलएसी पर एकतरफा बदलाव कभी नहीं करने देंगे: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। । विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक बार फिर चीन और पाकिस्तान पर जोरदार हमला बोला है। चीन के साथ सीमा पर तनाव के बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि हम चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कभी एकतरफा बदलाव नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा कि आज सीमाओं पर भारतीय सेना की इतनी बड़ी संख्या में तैनाती है जो पहले कभी नहीं थी। उन्होंने कहा कि चीनी आक्रामकता और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एकतरफा बदलाव के किसी भी प्रयास को रोकने और विफल करने के लिए भारतीय सेना पूरी तरह तैनात है। हम आपको बता दें कि इंडिया टुडे के इंडो-जापान कॉन्क्लेव 2022 को संबोधित करते हुए जयशंकर ने यह बात कही।

यह पूछे जाने पर कि सीमा रेखा पर तनाव के बीच चीन के साथ व्यापार क्यों बढ़ रहा है, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, '1990 के दशक के बाद जब हमने अपनी अर्थव्यवस्था को खोला तो हमने अपने एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कुछ नहीं किया जिससे चीन और अन्यों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया।' उन्होंने कहा कि अधिक आयात किया गया और हमने अपनी आपूर्ति श्रृंखला नहीं बनाई जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। विदेश मंत्री ने कहा कि चीन से आयात हो रहे हैं क्योंकि 30 वर्षों तक आपने उद्योगों को समर्थन नहीं दिया जिसकी उन्हें जरूरत थी। विदेश मंत्री ने कहा कि आपने जो 30 साल में किया है, उसे आप 5-10 साल में नहीं पलट सकते। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत जैसा देश मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत जापान से सीख ले सकता है। इसके अलावा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की चीनी उत्पादों के बहिष्कार की अपील और चीन से आयात बंद किये जाने की मांग पर विदेश मंत्री ने कहा कि केजरीवाल के बयान में गंभीरता नहीं है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर से जब पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणी पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा, 'पाकिस्तानियों के साथ हमारी अपेक्षाओं का स्तर कभी भी बहुत अधिक नहीं रहा।' जयशंकर ने कहा कि भुट्टो की टिप्पणी के बारे में विदेश मंत्रालय ने अपनी प्रतिक्रिया दे दी है।

दूसरी ओर, बात अरुणाचल प्रदेश की करें तो वहां हालात पूरी तरह सामान्य हैं। इस बीच, अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फीट की ऊंचाई पर सेला दर्रा सुरंग का निर्माण तेजी के साथ जारी है। हम आपको बता दें कि डबल लेन वाली इस सुरंग के बन जाने पर असम से तवांग तक हर मौसम में संपर्क बना रहेगा। इस सुरंग का निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से किया जा रहा है। मोदी सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का काम पूरा हो जाने पर सैन्य बलों को काफी लाभ होगा और अरुणाचल प्रदेश के लोगों के जनजीवन में भी बड़ा बदलाव आयेगा। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सेला दर्रा सुरंग सुरक्षा कारणों से गेम चेंजर साबित होगी। बताया जा रहा है कि सेला पास में दो सुरंगें हैं। यह सुरंगें सेला के पश्चिम में दो चोटियों से होकर आ रही हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि यांग्त्से क्षेत्र में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हालिया तवांग झड़प के बावजूद स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि भारतीय सेना की वजह से वे यहां पूरी तरह से सुरक्षित महसूस करते हैं। लोगों का यह भी कहना है कि संभव हो तो उन्हें भी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाये ताकि जरूरत पड़ने पर वह भी देश के काम आ सकें।

चीन लौटने का सवाल ही नहीं उठता भारत मेरी सबसे पसंदीदा जगह : दलाई लामा

धर्मशाला (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर समय-समय पर घटनाएं सामने आती रहती हैं। हाल ही में तवांग सेक्टर की एलएसी पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प का मामला सामने आया है। जिसके बाद दोनों देशों के बीच एक बार फिर से तनातनी की स्थिति पैदा हो गई है। सीमा संघर्ष के बीच बौद्ध भिक्षु तो भारत को पसंद कर ही रहे हैं। तिब्बत के बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने भी भारत को अपनी सबसे पसंदीदा जगह बताया है।

बौद्ध गुरु दलाई लामा से तवांग गतिरोध के चलते चीन के लिए उनके संदेश के बारे में सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा कि चीजें सुधर रही हैं लेकिन उनका चीन लौटने का कोई इरादा नहीं है। मैं भारत को पसंद करता हूं। इस बीच देखा जाए तो तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा इन दिनों दिल्ली और बिहार के बोध गया दौरा पर जा रहे हैं। दलाई लामा अगले एक माह के लिए मैक्लोडगंज से बाहर प्रवास पर रहेंगे। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा पहले दिल्ली से सटे गुरुग्राम स्थित सलवान एजुकेशन ट्रस्ट स्कूल में हिस्सा लेंगे और इसके बाद बिहार के बोध गया जाएंगे।

वह बोध गया के कालचक्र मैदान में अपने अनुयायियों को बोधिचित्त पर टिप्पणी विषय पर शिक्षण देंगे। यहां 29 से लेकर 31 तक तीन दिवसीय शिक्षण होगा। हालांकि इससे पहले दलाई लामा का प्रवास शेड्यूल 25 दिसम्बर से तय था। आगामी 1 जनवरी 2023 को महाबोधि मंदिर में विशेष पूजा अर्चना करेंगे। नववर्ष पर केक काटकर देश विदेश में रह रहे अपने अनुयायियों को शांति का संदेश भी देंगे।

उधर तवांग मठ के भिक्षु लामा येशी खावो ने भी भारतीय-चीन सेना के बीच हुई हाल की झड़प पर चेतावनी देते हुए कहा है कि चीन को समझना होगा कि यह 1962 का नहीं बल्कि 2022 का समय है। इस तरह की हरकतों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी को नहीं बख्शेंगे। हम मोदी सरकार और भारतीय सेना का समर्थन करते हैं। येसी खावो ने कहा कि चीन की सरकार हमेशा किसी भी देश की जमीन पर नजर रखती है और यह सरासर गलत है।

गुजरात से पांच सीटे जीतना बैल से दूध निकालना जितना मुश्किल : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि वर्षों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ रहे गुजरात में उनकी पार्टी को ''अभूतपूर्व सफलता'' मिली है। केजरीवाल ने कहा कि वहां पांच सीट जीतना उतना ही मुश्किल था जितना कि बैल से दूध निकालना।'' पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक को संबोधित कर केजरीवाल ने कहा कि 'आप' को विश्वास है कि वह 2027 में गुजरात में भाजपा को सत्ता से हटा देगी और वहां अपनी सरकार बनाएगी जैसा कि पार्टी ने इस साल की शुरुआत में पंजाब में कर दिखाया था।

आप ने गुजरात में हाल में हुए विधानसभा चुनाव में लगभग 13 प्रतिशत मत प्रतिशत के साथ पांच सीट पर जीत हासिल की थी। केजरीवाल ने इस उपलब्धि पर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देकर कहा ''हाल में गुजरात के सिलसिले में मुझे किसी व्यक्ति ने कहा था कि आप तो बैल से भी दूध निकाल लाए। गाय से दूध सभी निकालते हैं लेकिन हम विधानसभा चुनाव में पांच सीट जीतकर और 13 प्रतिशत मत प्रतिशत हासिल करके बैल से दूध निकाल लाए। उन्होंने गुजरात के लोगों को भी उनकी पार्टी की ''विचारधारा'' में विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा चिंता न करें हम निश्चित तौर पर 2027 में गुजरात में भी अपनी सरकार बनाएंगे।'' 'आप' ने 2017 में गुजरात विधानसभा की 182 सीटों में से 29 सीटों पर चुनाव लड़ा था जबकि पंजाब की 117 सीट में से 112 पर चुनाव लड़ा था।

हालांकि उस समय 'आप' को गुजरात में करारी हार का सामना करना पड़ा था और उसके सभी 29 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। पार्टी पंजाब में 20 सीट जीतकर राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई थी।

सीमावर्ती मराठी भाई-बहनों के साथ हैं खड़े, प्रदर्शन पर रोक को लेकर फडणवीस बोले- कर्नाटक सीएम से करेंगे बात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद सुलझने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच बेलगाम शहर में 10 दिवसीय शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। जिसके विरोध में मध्यवर्ती महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमएमईएस) बेलगावी के जिला मुख्यालय तिलकवाड़ी में एक विरोध प्रदर्शन किया। किंतु कर्नाटक की सरकार ने इसकी इजाजत नहीं दी। अब पूरे मुद्दे पर मीडिया से बात करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने अपनी राय रखी है।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के सीमावर्ती भाग में जो कोई प्रश्न चल रहे हैं उसके ऊपर महाराष्ट्र एकीकरण समिति ने एक आंदोलन रखा था, जो पूरी तरह से लोकतांत्रिक था। किंतु कर्नाटक की सरकार ने उसको परमीशन नहीं दी। हमारे यहां से भी कुछ नेता वहां जाना चाहते थे, लेकिन उनको भी परमीशन नहीं दी गई। हम जरूर इसके ऊपर कर्नाटक की सरकार और वहां के मुख्यमंत्री से बात करेंगे। दोनों राज्यों ने तय किया है कि आवाजाही पर रोक नहीं है। शांतिपूर्ण अगर कोई आंदोलन हो रहा है तो उसको भी रोकने का कोई कारण नहीं है। फडणवीस ने कहा कि हम हमारे सीमावर्ती मराठी भाई-बहनों के साथ खड़े हैं।

वहां के सीएम साहब ने गृह मंत्री के सामने स्पष्ट रूप से ये कहा है कि ये ट्वीट फेक हैंडल से किए गए हैं। वो उनके नहीं है और वो इस पर कार्रवाई भी करने वाले हैं। बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ एक अहम बैठक हुई थी। इस बैठक से बढ़ते हुए तनाव को कम करने की कोशिशें की गई और तय हुआ कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले दोनों ही ओर से कोई दावा नहीं किया जाएगा, बयानबाजी नहीं होगी। इस बैठक में तनाव बढ़ाने के लिए फेक ट्वीटर अकाउंट से किए जाने वाले ट्वीट को जिम्मेदार बताया गया।

देश में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता मिली तब असंतुलन की स्थिति पैदा होगी

-अदालत में इसके विरोध मजबूती से पक्ष रखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद ने सोमवार को राज्यसभा में केंद्र सरकार से मांग की कि देश में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता नहीं दी जानी चाहिए और अदालत में इसके विरोध में अपनी बात मजबूती से रखनी चाहिए ताकि सदियों से पवित्र मानी जाने वाली विवाह संस्था की पवित्रता बनी रहे। भाजपा के सुशील कुमार मोदी ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाकर कहा कि 33 देशों में समलैंगिक विवाह को मान्यता मिल चुकी है इसी सप्ताह अमेरिका में भी सीनेट ने इसके लिए कानून बनाया है। सुशील मोदी ने कहा कि जापान ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता नहीं दी है। एशिया में ताइवान एकमात्र ऐसा देश है जिसने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दी है।

भाजपा सदस्य ने कहा पश्चिम संस्कृति का अनुसरण करने वाले कुछ लोग प्रयास कर रहे हैं कि देश में भी समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता मिले लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए नहीं तब असंतुलन की स्थिति पैदा होगी। उन्होंने कहा हमारे यहां विवाह संस्था को पवित्र माना गया है। इसकी कुछ विशेषताएं और प्रथाएं हैं और यह सदियों से चली आ रही हैं। विवाह से परिवार बच्चे उनका पालन पोषण घरेलू हिंसा पिता के घर में बेटी के रहने का अधिकार तलाक भरण पोषण आदि मुद्दे भी संबद्ध हैं।''

सुशील मोदी ने कहा कि देश में मुस्लिम पर्सनल लॉ सहित अन्य किसी भी कानून में समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि इस सामाजिक मुद्दे पर संसद में तथा समाज में पर्याप्त बहस होनी चाहिए और केवल दो न्यायाधीश इस बारे में निर्णय नहीं ले सकते। उन्होंने मांग की कि समलैंगिक विवाह के विरोध में सरकार को अदालत में अपनी बात मजबूती से रखनी चाहिए ताकि इस वैधानिक दर्जा न मिल सके।

कश्मीर में लोगों की हत्या के मामले में लोकसभा में चर्चा कराने की मांग की कांग्रेस सांसद ने

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा चुन-चुनकर लोगों की हत्या की घटनाओं पर चिंता जताते हुए सोमवार को सरकार से इस विषय पर सदन में विस्तार से चर्चा कराने की और बयान देने की मांग की। चौधरी ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि कश्मीर घाटी में बेगुनाह लोगों की हत्या का सिलसिला नहीं थम रहा। उन्होंने कहा, ''कभी आतकियों की गोली से, कभी फौजियों की गलती से बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं।''

उन्होंने दावा किया कि सरकार ने इस सदन में पूरे विश्वास के साथ कहा था कि अनुच्छेद 370 के समाप्त होने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन पर कब्जा किया जाएगा। चौधरी ने कहा कि लेकिन घाटी से कश्मीरी पंडितों को पलायन करना पड़ रहा है और आतंकवादियों द्वारा चुन-चुनकर लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर सदन में विस्तार से चर्चा होनी चाहिए और सरकार को बयान देना चाहिए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के हसनैन मसूदी ने शून्यकाल में कहा कि हाल में हुए एक सम्मेलन में यह बात सामने आई कि जम्मू कश्मीर में फेफड़ों की गंभीर बीमारियों के अनेक मामले हैं और यहां तक कि श्रीनगर में फेफड़े के कैंसर के मामले देश में सर्वाधिक हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है, जिसका विस्तार से अध्ययन किया जाना

चाहिए और ऐसे मामलों को समय पर रोकने के लिए प्रयास होने चाहिए। मसूदी ने यह भी कहा कि श्रीनगर के आसपास बड़ी संख्या में सीमेंट के कारखाने होने और चूना पत्थर का खनन होने से इन मामलों का कोई लेनादेना तो नहीं, यह भी अध्ययन में पता लगाया जाना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निशिकांत दुबे ने झारखंड में अवैध बांग्लादेशियों के बसने का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि झारखंड के मुख्यमंत्री का अवैध घुसपैठियों को समर्थन मिल रहा है। उन्होंने केंद्र से हस्तक्षेप करने की अपनी मांग दोहराई। भाजपा के दुष्यंत सिंह ने शून्यकाल में राजस्थान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के क्रियान्वयन का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस दिशा में बहुत खराब काम कर रही है और केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि प्रदेश के सभी जिलों में मिशन का काम अच्छे से हो।

'सेना बहुत शक्तिशाली है लेकिन सरकार बहुत कमजोर', चीन मुद्दे पर बोले ओवैसी- सच छुपाया जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीन के साथ हुई झड़प को लेकर विपक्ष संसद से सड़क तक सरकार के खिलाफ हमलावर है। इन सबके बीच एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। ओवैसी ने साफ तौर पर कहा कि चीन के मुद्दे पर हमने बफर जोन बनाने की गलती की है। उन्होंने केंद्र सरकार पर सच को छुपाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पारदर्शी नहीं है। वह आधा सच कह रही है। भ्रामक तथ्य सामने रखे जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने सर्वदलीय बैठक करने की मांग कर दी या फिर संसद में बहस होने की मांग कर दी हैं। हालांकि, ओवैसी ने साफ तौर पर कहा कि चीन के खिलाफ सरकार अगर कोई निर्णय लेती है तो पूरा देश उनका समर्थन करेगा।

अपने बयान में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पीएम ने यह कहकर देश को गुमराह किया कि हमारे क्षेत्र में कोई नहीं आया है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी सैटेलाइट तस्वीरें हैं जो दिखाती हैं कि चीनी सैनिकों ने डेपसांग और डेमचोक पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने सावल किया कि वे हमारी जमीन हड़पना जारी रखेंगे फिर भी उनके साथ व्यापार असंतुलन जारी रहेगा? इसके साथ ही हैदराबाद से सांसद ने कहा कि सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए या संसद में बहस करनी चाहिए और हमें बताना चाहिए कि वे चीन पर क्या निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार राजनीतिक नेतृत्व दिखाती है तो पूरा देश उनका समर्थन करेगा। सेना बहुत शक्तिशाली है लेकिन सरकार बहुत कमजोर है और चीन से डरती है।

दूसरी ओर लोकसभा में एस जयशंकर ने कहा कि अगर हम चीन के प्रति उदासीन थे तो भारतीय सेना को सीमा पर किसने भेजा। अगर हम चीन के प्रति उदासीन थे तो आज चीन पर डी-एस्केलेशन और डिसइंगेजमेंट के लिए दबाव क्यों बना रहे हैं? हम सार्वजनिक रूप से क्यों कह रहे हैं कि हमारे संबंध सामान्य नहीं हैं? उन्होंने कहा कि हमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अपने जवानों की आलोचना नहीं करनी चाहिए। हमारे जवान यांग्त्से में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर खड़े होकर हमारी सीमा की रखवाली कर रहे हैं। उनका सम्मान और सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमें राजनीतिक आलोचना से कोई समस्या नहीं है लेकिन हमें अपने जवानों का अपमान नहीं करना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हत्या का भेद सुलझा

पत्नी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर पति को उतारा था मौत के घाट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. दो दिन पहले डिंडोली क्षेत्र में रेलवे ट्रेक से युवक का हत्या किया हुआ शव मिलने के मामले की जांच कर रही डिंडोली पुलिस ने चंद घंटों में ही मृतक युवक की शिनाख्त कर हत्या का भेद सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी समेत तीन जनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पत्नी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी और बाद में शव को रेलवे ट्रेक पर फेंक दिया था।

डिंडोली पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह डिंडोली प्रमुख पार्क रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे ट्रेक से एक युवक का शव बरामद हुआ था। युवक की गला घोटकर हत्या की गई थी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर मृतक की शिनाख्त के प्रयास शुरू किए थे, जिसमें पुलिस को सफलता मिली। मृतक की शिनाख्त डिंडोली द्वारकेश नगर निवासी विनोद रविन्द्र बेलदार के तौर पर हुई। इसके बाद हत्या का भेद सुलझाने की चुनौती पुलिस के सामने थी। जांच के दौरान मृतक विनोद की पत्नी पूनम पर पुलिस को शंका हुई। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्या के रहस्य से पर्दा उठ गया। उसने कबूल कर लिया कि प्रेमी राहुल कोली के साथ मिलकर पति विनोद को मौत के घाट उतारा है। पुलिस ने बताया कि विनोद मूलत: महाराष्ट्र का निवासी था। पांच महीने पहले वह पूनम के साथ सूरत आया था। पूनम का पीहर सूरत ही है। विनोद नौकरी धंधा नहीं करता था और शराब पीकर पत्नी की पिटाई करता था। इस बीच पत्नी के ऑटो चालक राहुल कोली के साथ अवैध संबंध बन गए। शुक्रवार रात राहुल अपने चचेरे भाई सागर कोली के साथ विनोद के घर गया। यहां सभी ने खाना खाया और रात तक सभी बात करते रहे। इस बीच किसी बात को लेकर विनोद को गुस्सा आया और उसने पत्नी को पीटना शुरू कर दिया। यह देख राहुल और सागर ने विनोद को पकड़ लिया। बाद में तीनों ने मिलकर पूनम के दुपट्टे से विनोद का गला घोंट दिया। शव को ऑटो में लेकर प्रमुख पार्क ब्रिज पर पहुंचे और ब्रिज से शव रेलवे ट्रेक पर फेंक कर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपी पूनम बेलदार, राहुल कोली और सागर कोली को गिरफ्तार कर लिया है।

इंस्टाग्राम के जरिये युवक को फंसाकर पैसों की मांग,मामला दर्ज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

इन दिनों लोगों के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी के नए नए तरीके इजात किये जा रहे है। इन दिनों ऑनलाइन हनीट्रैप का एक नया तरीका सामने आया है. फेसबुक, व्हाट्सएप के बाद अब इंस्टाग्राम के जरिए एक व्यक्ति को शिकार बनाकर पैसे की मांग की जा रही है. सूरत के एक युवक ने दोस्त की आईडी समझकर गलती से एक अज्ञात इंस्टाग्राम अकाउंट होल्डर से गालीगलौज वाली भाषा में बात कर ली। इस पर माफियाकिंग नाम की इंस्टाग्राम आईडी से चैट की स्क्रीन रिकॉर्डिंग की गई थी और उसे वायरल न करने के लिए पैसों की मांग की गई। इस मामले में सरथाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सूरत के पूनागम योगीचौक सोसायटी पार्क स्थित हाउस 78 में रहने वाले गिरसोमनाथ के काकिदी मौली निवासी 22 वर्षीय केवलकुमार बाबूभाई रणपरिया उधाना के एचटीसी मार्केट में कढ़ाई का काम करते हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर रात 10 बजकर 23 मिनट पर 20 को इंस्टाग्राम

आईडी GJ®v_mafiak-ing374 से मैसेज आया। केवलकुमार ने उसे मैसेज भी किया और यह सोचकर उसका अपमान किया कि मैसेज में लिखा हुआ गाली किसी दोस्त का है। केवलकुमार ने ऑडियो मैसेज के जरिए उससे बात भी की। हालांकि, उस व्यक्ति ने चैट को स्क्रीन रिकॉर्ड कर लिया और उसे वायरल करने की धमकी दी और 25 हजार की मांग की।

इसके बाद, व्यक्ति ने केवलकुमार के परिवार के सदस्यों के इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लिंक भेजा और उन्हें चैट को आगे बढ़ा दिया। उस व्यक्ति ने केवलकुमार की पत्नी के बारे में बुरी तरह से बात की और पत्नी को गंदे संदेश भी भेजे। केवलकुमार ने उससे संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उसने केवलकुमार को ब्लॉक कर दिया। आधार आवेदन पर सरथाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई कर रही है।

शिकायतकर्ता के उपभोक्ता फोरम पहुंचते ही बीमा कंपनी ने सुलझाया दस महीने से अटका क्लेम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

हिंदी में एक कहावत है अगर सीधी उंगली से घी ना निकले तो उंगली टेढ़ी करनी पड़ती हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है सूरत में, जहां एक बीमाधारक की विधवा द्वारा 50 लाख रुपये के दावे को 10 माह तक रोके रखने के बाद जैसे ही आवेदनकर्ता विधवा द्वारा उपभोक्ता अदालत में मुकदमा दायर किया गया, बीमा कंपनी ने बिना समय गवाएं पूरे पैसे शिकायतकर्ता के बैंक खाते में जमा कर दी। हालांकि इसके बार शिकायतकर्ता ने ब्याज, मुआवजा, लागत की मांग को भी वापस लेते हुए अपनी शिकायत वापस ले ली है। वहीं दावा सूरत जिला आयोग के इतिहास में किसी शिकायतकर्ता द्वारा प्राप्त की गई उच्चतम राशि है।

मामले में जानकारी दें तो सूरत के रहने वाले पिनाकिन पटेल ने जनवरी-2021 में मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से मैक्स लाइन स्मार्ट टर्म प्लान नाम से 50 लाख की बीमा पॉलिसी ली थी। चालीस साल तक सालाना प्रीमियम 32,668 देना था। लेकिन बीमा के पहले साल में पिनाकिनभाई को खांसी, सर्दी खांसी और सांस लेने में तकलीफ के कारण 4/4/21 को स्मीयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उन्हें न्यूमोनाइटिस विद अर्दस डायग्नोस हुआ और सर्जरी के बाद चल रहे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बीमा के नियमों के अनुसार

मृतक बीमाधारक की पत्नी को बीमा के पैसे मिलने चाहिए थे और इसीलिए मृतक की पत्नी ने बीमा कंपनी के समक्ष 50 लाख का दावा पेश किया। लेकिन बीमा कंपनी ने शिकायतकर्ता को एक पत्र लिखा और मृतक के सभी मेडिकल रिकॉर्ड, अंतिम उपचार करने वाले डॉक्टर द्वारा पिछले मेडिकल इतिहास के बारे में स्पष्टीकरण और एनओसी जमा होने तक दावे को रोक कर रखा। इसके बाद अगले 100 महीनों तक न तो कंपनी ने क्लेम के पैसे दिए और न ही कोई उचित जवाब! इस पर शिकायतकर्ता फाल्गुनीबेन पटेल और पुत्र बीमा कंपनी के खिलाफ उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराया। इसके बाद तो मानों चमत्कार हो गया। कंपनी ने बिना किसी जानकारी के ही शिकायतकर्ता के खाते में दावे के 50 लाख जमा करा दिये।वहीं अत: शिकायतकर्ता ने भी अपनी शिकायत वापस ले ली।

सूदखोरों पर गिरी गाज:14 मामले दर्ज कर 12 को गिरफ्तार किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. शहर में सूदखोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है, जिसे लेकर शहर पुलिस सक्रिय हुई है। सोमवार को पांडेसरा और खटोदरा पुलिस ने सूदखोरों के खिलाफ एक ही दिन में 14 मामले दर्ज कर 12 सूदखोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ब्याज पर रुपए देने के बाद कर्जदार से 5 से लेकर 100 फीसदी तक ब्याज वसूल रहे थे।

एच डिविजन के सहायक पुलिस आयुक्त जेड.आर. देसाई ने बताया कि उनके कार्यक्षेत्र में आने वाले खटोदरा और पांडेसरा पुलिस के निरीक्षक को आदेश दिया गया था कि सूदखोरों से परेशान लोगों की शिकायत सुनी जाए और सूदखोरों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। दोनों ही थानों की पुलिस ने सूदखोरों से त्रस्त लोगों का पता लगाया तो 14 सूदखोरों का नाम सामने आया, जिन्होंने अलग-अलग लोगों को 19.51 लाख रुपए ब्याज पर दिए थे। ब्याज के तौर पर अब तक 37,10,100 रुपए वसूल चूके थे। इतनी बड़ी राशि ब्याज के तौर पर वसूलने के बाद भी वे कर्जदारों को परेशान कर रहे थे। पुलिस ने पीड़ित लोगों की शिकायत पर एक ही दिन में 14 मामले दर्ज कर 12 सूदखोरों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, एक मामले में पूछताछ जारी है।

सूदखोरों की प्रताड़ना से आत्महत्या तक कर लेते हैं मजबूरशहर में सूदखोरों के चंगुल में फंसे लोगों की जिंदगी नरक बन रही है। कई लोग एक बार उनके शिकार बनते हैं तो बाहर निकलना दूभर है। लोग ब्याज चुकाने से ही बाहर नहीं निकल पाते और मूल जस का तस खड़ा रहता है। कई तो ऐसे मामले भी सामने आए हैं कि मूल से तीन गुना तक ज्यादा रकम ब्याज में ही चुका दी और उधार खड़ा रहा। ऐसे में हताश होकर कई लोग आत्महत्या तक कर लेते हैं। शहर में पूर्व में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जब लोगों ने मजबूर होकर आत्महत्या तक कर ली है। कई मामलों में सूदखोर अपने कर्जदार के अपहरण और मारपीट भी करते हैं।

प्रमोटेड कंटेंट

शहर में ऐसे चलता है ब्याज का धंधाशहर में शॉर्ट टर्म और लांग टर्म पर सूदखोर लोगों को ब्याज पर रुपए उधार देते हैं। शॉर्ट टर्म में राशि 50 हजार तक सीमित होती है और इसकी वसूली रोजाना की जाती है। यदि कर्जदार एक दिन भी चूक गया तो सूदखोर पेनल्टी भी वसूलता है। वहीं, लांग टर्म में 50 हजार से लेकर लाखों रुपए तक की राशि ब्याज पर दी जाती है। इसमें ब्याजखोर मूल राशि पर प्रतिमाह ब्याज वसूलता है। यदि कर्जदार किसी महीने ब्याज देने से चूक गया तो ब्याज की राशि को मूल राशि में शामिल कर चक्रवृद्धि ब्याज वसूला जाता है।

इन सूदखोरों के खिलाफ हुई कार्रवाई

1-ओमप्रकाश रामप्यारे मिश्रा (आशानगर, उधना)
2-किशन उर्फ सोनू राजभर (एसएमसी आवास, वड़ोद)
3- किरणबेन बालचंद शाह (साकारनगर अपार्टमेंट, कामरेज)
4-पवन बिरेन्द्र अग्रवाल (न्यू हरिधाम सोसायटी, बमरोली)
5- नविन उर्फ बंटी योगेन्द्रचंद्र चौबे (प्रियंका सोसायटी, गोड़ादरा)
6- आशिषसिंह राघवसिंह राजपूत (अंबिका टाउनशिप, डिंडोली)
7- निकुंज महेन्द्र पटेल (प्रमुख पार्क सोसायटी, पांडेसरा)
8- राकेश संजय निकुंबे (नागसेननगर, पांडेसरा)
9- राजेश उर्फ राजू अमृत रबारी (अमृतनगर सोसायटी, हरिनगर-2)
10- जर्नादन अवधनारायण सिंह (सुखीनगर, पांडेसरा)
11- विशाल माणेक पाटिल (कर्मयोगी सोसायटी, पांडेसरा)
12- सनी चेवली (शिखर कॉम्प्लेक्स, भटार रोड)

आप का शिक्षण समिति कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन: दिसम्बर आ गया,यूनिफॉर्म कब दोगे अध्यक्ष साहब?

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. नगर प्राथमिक शिक्षण समिति संचालित स्कूलों के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म, ***** और स्टेशनरी अब तक नहीं मिती है। इसके विरोध में सोमवार को आम आदमी पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षण समिति के कार्यालय पर प्लेकार्ड के साथ विपक्ष ने ' दिसम्बर आ गया, यूनिफॉर्म कब दोगे अध्यक्ष साहब' के नारे लगाए। वहीं, लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मनपा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षण समिति के विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष यूनिफॉर्म, बूट, स्कूल बैग और स्टेशनरी निःशुल्क दी जाती है। इसके लिए मनपा की ओर से समिति को करोड़ों रुपए का बजट आवंटित किया जाता है। इस वर्ष भी विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म और स्टेशनरी देने की घोषणा की गई थी, लेकिन दिसम्बर महीना आधा बीत जाने के बाद भी सभी विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म और ***** नहीं मिले हैं। जिन्हें मिले हैं उनकी गुणवत्ता और साइज को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे साफ है कि एजेंसियों ने तय समय में यूनिफॉर्म और ***** तैयार करके नहीं दिए हैं। बावजूद इसके एजेंसियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सोमवार को समिति में विपक्ष के सदस्य राकेश हिरपरा की अगुवाई में आम आदमी पार्टी के पार्षद तथा कार्यकर्ताओं ने इसके खिलाफ कांसकीवाड़ स्थित समिति के मुख्य कार्यालय पर प्ले कार्ड लेकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जल्द यूनिफॉर्म देने और लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

पिकअप वैन ढाबे में घुसी,तीन घायल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के सरोली क्षेत्र में एक हैरान कर देनेवाली घटना सामने आई। एक ढाबे में कई लोग भोजन कर रहे थे। जबकि ढाबे में अन्य लोग अपना काम कर रहे थे। उस वक्त बेलगाम बोलेरो पिकअप अचानक ढाबे में घुस गई और एक युवक को कुचल दिया। जिसमें उसे गंभीर चोट आई है। जबकि अन्य तीन लोग भी घायल हुए हैं। घटना सूरत के सारोली क्षेत्र के बापानो बगीचो नामक ढाबे की है। जहां दो-तीन लोग बैठे थे और ढाबे के कर्मचारी अपने काम में व्यस्त थे। उस वक्त अचानक एक बोलेरो पिकअप ढाबा में घुस आई और भोजन कर रहे युवक को अपनी चपेट में ले लिया। ढाबे में रखी खटिया टेबल कुर्सी इत्यादि को तोड़ते हुए बोलेरो पिकअप के घुसने से वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। काउंटर पर एक लड़का चाय बना रहा था बोलेरो की टक्कर लगने से चाय की पतीली उछलकर नीचे गिर गई। जबकि गैस स्टव जलता रहा है और उसके

निकट ही दो सिलिंडर रखे हुए थे। राहत की बात है कि आग और सिलिंडर के बीच कोई संपर्क नहीं हुआ वर्ना बड़ा हादसा हो सकता था। इस घटना में ढाबे में भोजन कर रहा युवक बुरी तरह से घायल हुआ है जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बारे में ढाबा मालिक निलेशभाई ने बताया कि मैं काउंटर पर बैठा था तब अचानक बोलेरो पिकअप घुस आई।

उस वक्त ढाबे में 10 जितने ग्राहक बैठे हुए थे जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं। जिसमें एक को गंभीर चोट लगी है। मुझे भी सामान्य चोट लगी है। निलेशभाई ने बताया कि दुर्घटना के बाद बोलेरो पिकअप का ड्राइवर फरार हो गया।